Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
वेलकम इंडिया
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 233 | बुधवार, 02 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता के साथ योग्यता को सर्वोच्च प्राथमिकता सुनिश्चित करना सरकार का लक्ष्य: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी से मिले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में नवचयनित 40 अधिकारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में समूह 'ख' के अधिकारियों की नियमित भर्ती पूरी होने के बाद नवचयनित 40 अधिकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि लंबे अंतराल के बाद हुई इस भर्ती से बोर्ड की कार्यक्षमता मजबूत होगी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सरकारी सेवाओं में ऐसी चयन व्यवस्था को मजबूत करना है, जिसमें पारदर्शिता के साथ योग्यता को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में लागू की गई नई भर्ती प्रक्रिया इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जिम्मेदारी सीधे प्रदेश के पर्यावरण और लोगों के स्वस्थ जीवन से जुड़ी है। ऐसे में नवचयनित अधिकारी अपनी तकनीकी दक्षता का इस्तेमाल पूरी जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ करें। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और विभागीय कार्यप्रणाली के साथ मैदानी स्तर की चुनौतियों को समझने के निर्देश दिए।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में समूह ह्यखह् के 26 सहायक पर्यावरण अभियंता और 14 सहायक वैज्ञानिक अधिकारी, कुल 40 अधिकारियों का चयन किया गया है। चयनित अधिकारियों में 21 विभिन्न आईआईटी से शिक्षित हैं, जबकि अन्य अधिकारियों ने देश और प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है। चयनित अधिकारियों में 8 महिलाएं भी शामिल हैं। इस भर्ती की खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री के निर्देश और सिद्धांतों के अनुरूप चयन प्रक्रिया में बदलाव किया गया। पहले बोर्ड में समूह ह्यखह् के अधिकारियों की भर्ती मुख्य रूप से केवल साक्षात्कार के आधार पर की जाती थी। पुरानी विनियमावली, 1995 में संशोधन कर चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा और साक्षात्कार आधारित द्विस्तरीय व्यवस्था में बदला गया। नई व्यवस्था में लिखित परीक्षा को 85 प्रतिशत और साक्षात्कार को 15 प्रतिशत अंक का वेटेज दिया गया। इससे चयन में शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता को प्रमुख आधार बनाया गया। संशोधित विनियमावली के बाद 27 फरवरी, 2026 को 26 सहायक पर्यावरण अभियंता और 14 सहायक वैज्ञानिक अधिकारी पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया। 27 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न शहरों में एक साथ लिखित परीक्षा आयोजित हुई, जिसका आयोजन आईआईटी कानपुर के माध्यम से कराया गया। लिखित परीक्षा का परिणाम 8 जून को घोषित किया गया। इसके बाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में चार साक्षात्कार पैनल गठित किए गए। पैनल में विभिन्न आईआईटी और विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया। 4 जुलाई को साक्षात्कार पूरा हुआ और 8 जुलाई को अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इस बार नवचयनित अधिकारियों को सीधे क्षेत्र में तैनाती देने के बजाय प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण के तहत एक सप्ताह का कार्यक्रम आईआईएम, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि तकनीकी रूप से दक्ष अधिकारियों की नियमित भर्ती और उन्हें प्रशिक्षण देने से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी, पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन और मैदानी कार्यों की प्रभावशीलता में सुधार होगा।

कांग्रेस के उदित राज ने आरएसएस मुख्यालय के बाहर जलाई मनुस्मृति, बोले- देश संविधान से चलेगा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता और 'ऑल इंडिया अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स एंड एम्प्लॉईज कांग्रेस' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई केशव कुंज स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली मुख्यालय के बाहर अचानक किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद की गई। कांग्रेस कार्यकताओं और 'डोमा परिसंघ' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस अचानक हुए प्रदर्शन ने सुरक्षा एजेंसियों को चौंका दिया। प्रदर्शनकारी मौके पर जमा हुए, नारे लगाए और प्राचीन ग्रंथ 'मनुस्मृति' की प्रतियों के साथ-साथ फ्तर की प्रतीकात्मक यूनिफॉर्म भी जलाईं। प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए सुना गया, देश भारतीय संविधान से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं। यह विरोध-प्रदर्शन जाति और दलित पहचान से जुड़े राजनीतिक विवाद की एक ताजा कड़ी है। इसकी तात्कालिक वजह उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक सार्वजनिक रैली स्थल पर किया गया एक विवादास्पद शुद्धिकरण अनुष्ठान है; यह अनुष्ठान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के वहां एक सभा को संबोधित करने के कुछ ही समय बाद किया गया था।

तेलंगाना में अघोषित आपातकाल! बीजेपी बोली - कांग्रेस सरकार कर रही लोकतंत्र का गला घोंटने का काम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की आलोचना की। उन्होंने राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को हिरासत में लिए जाने के बाद प्रशासन के इस कदम को तानाशाही वाली सोच का संकेत बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " पर एक पोस्ट में, नवीन ने राज्य प्रशासन पर पक्षपात करने और विपक्ष के सदस्यों की सुरक्षा न कर पाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैंने बीजेपी तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव जी से बात की। नवीन ने कहा कि पुलिस ने उन्हें तब गैर-कानूनी तरीके से गिरफ्तार किया जब वह हमारे नलगोंडा जिला अध्यक्ष से मिलने जा रहे थे, जिनके घर पर हाल ही में कांग्रेस के गुंडों ने हमला किया था। जब कांग्रेस के गुंडे हमला करते हैं, तो प्रशासन चुप रहता है। लेकिन जब बीजेपी नेता पीड़ितों से मिलने जाते हैं, तो कांग्रेस प्रशासन हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर लेता है। नवीन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना करते हुए कहा कि संविधान पर राहुल गांधी के भाषण पूरी तरह से दिखावा हैं और तेलंगाना इस तानाशाही सोच का जवाब देगा! यह हिरासत तब हुई जब कई बीजेपी नेताओं को पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे रामचंदर राव को नजरबंद किए जाने के विरोध में पूरे तेलंगाना में प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का आरोप लगाया। हिरासत में ली गईं बीजेपी नेता बंदारू विजयलक्ष्मी ने इस स्थिति को तेलंगाना में अघोषित आपातकाल बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थकों ने बीजेपी कार्यकताओं, जिनमें ज़िला अध्यक्ष भी शामिल हैं, के घरों पर हमले किए। उन्होंने कहा कि कल जो भी विरोध प्रदर्शन हुए... मैं वही कह रही हूँ कि आप कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छे कार्यकर्ता तैयार कर रहे हैं। तेलंगाना बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी ने कथित हिंसा के लिए सत्ताधारी पार्टी से माफी मांगने को कहा।

अयोध्या मछली भोज विवाद: सीएम योगी के बयान पर अजय राय ने किया मानहानि का केस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ लखनऊ के सिविल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अजय राय ने योगी के उस बयान को आधार बनाया है, जिसमें अयोध्या में आयोजित निषाद सम्मेलन के दौरान उनके मछली खाने को लेकर टिप्पणी की गई थी। अयोध्या में निषाद समुदाय के एक कार्यक्रम में मछली पकाए जाने का एक कथित वीडियो विवाद का केंद्र बन गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य कांग्रेस प्रमुख अजय राय पर दावत में शामिल होने का आरोप लगाया था, जबकि विपक्ष के नेता ने उन्हें इसका सबूत दिखाने की चुनौती दी थी। राय पर दो तरह से हमला किया गया। पहला यह कि रविवार को हुई दावत अयोध्या में थी, जहाँ राम मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में मांसाहारी भोजन पर रोक है। दूसरा यह कि यह हिंदू पवित्र महीने श्रावण (या सावन) के दौरान हुआ, जब कई श्रद्धालु मांस नहीं खाते हैं। राय ने हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन किए और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर में पूजा की और अयोध्या जिले में ही लगभग 30 किलोमीटर दूर तरुन गए, जहाँ स्थानीय निषाद समुदाय की बैठक हो रही थी। रायबरेली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने राय पर निशाना साधा और कहा कि आपने कल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का व्यवहार देखा। वे दर्शन के लिए हनुमानगढ़ी जाते हैं और बाहर आकर मछली की दावत का आनंद लेते हैं और फिर 'राम-राम' का नारा लगाते हैं।

देशभर में पेपर लीक प्रदर्शन की एफआईआर रद्द, सुप्रीम कोर्ट के आर्टिकल 142 का उपयोग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR रद्द कर दीं, जिन्होंने कथित पेपर लीक के खिलाफ हाल ही में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। कोर्ट ने प्रदर्शनकारी छात्रों को राहत देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा पारित इस आदेश में दिल्ली, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्रों के खिलाफ दर्ज त्रक्षक्षशामिल हैं।

चीफ जस्टिस ने कहा कि 20 से 25 जुलाई के बीच दिल्ली में जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में हजारों छात्रों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। कोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में कुल 13 FIR दर्ज की थीं। उखकने कहा कि 20 से 25 जुलाई तक, हजारों छात्रों ने जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पुलिस ने कुल 13 FIR दर्ज कीं। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि यह राहत उन लोगों को नहीं मिलेगी जिनका पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। दिल्ली पुलिस उन 2,873 लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं या जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें बताया गया है कि दिल्ली पुलिस उन 2,873 लोगों के खिलाफ नई FIR दर्ज करेगी जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। इसके अलावा कोई नई FIR दर्ज नहीं की जाएगी। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने अनुरोध किया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी इसी तरह का निर्देश जारी किया जाए। चीफ जस्टिस ने संकेत दिया कि कोर्ट यह सुनिश्चित करेगा कि इस आदेश के दायरे में आने वाले छात्रों के खिलाफ सिर्फ.इसलिए कोई और कार्रवाई न हो कि कोई FIR कोर्ट के ध्यान में नहीं लाई गई थी।

CJI सूर्यकांत ने कहा कि अगर किसी राज्य में कोई ऐसी FIR है जिसकी जानकारी हमारे सामने नहीं लाई गई है, तो राज्य उसे रद्द करने के अनुरोध का विरोध नहीं करेगा।

दिल्ली सरकार ने संशोधित सोलर पॉलिसी को दी मंजूरी

मुफ्त में लगाए जाएंगे सोलर सिस्टम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली कैबिनेट ने एक संशोधित सोलर पॉलिसी को मंजूरी दी है। इसके तहत, जिन घरों में महीने में 400 यूनिट या उससे ज्यादा बिजली की खपत होती है, वे 3 KW के रूफटॉप सोलर पैनल मुफ़्त में लगवाने के लिए पात्र होंगे।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मार्च 2027 तक शहर भर में लगभग 2.30 लाख घरों में ये पैनल लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम का मकसद बिजली बिल कम करना और उन घरों की मदद करना है जो पैनल लगवाने का शुरूआती खर्च नहीं उठा सकते।

गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा हमारा मकसद न सिर्फ.लोगों का बिजली बिल कम करना है, बल्कि सोलर पैनल लगाने के खर्च में भी मदद करना है। सरकार उन सभी घरों को मुफ़्त रूफटॉप सोलर पैनल देगी, जहाँ महीने में 400 यूनिट या उससे ज्यादा बिजली की खपत होती है।

इस सुविधा से उन लोगों को फायदा होगा जो पहले ज्यादा शुरूआती लागत की वजह से रूफटॉप सोलर पैनल नहीं लगवा पाए थे। उन्होंने कहा यह हमारी सरकार की 'ग्रीन दिल्ली' पहल के लिए एक बड़ी घोषणा है।

गुप्ता ने आगे कहा कि अभी दिल्ली में लगभग 10,000 इमारतों में सोलर एनर्जी बनाने की क्षमता है, जिनमें से ज्यादातर सरकारी इमारतें हैं।

सीएम विजय ने खोला मेट्टूर बांध, कहा- कावेरी जल तमिलनाडु का कानूनी अधिकार, कर्नाटक को दी कड़ी चेतावनी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कावेरी नदी के पानी को लेकर कर्नाटक के साथ चल रहे विवाद के बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने का आदेश दिया, ताकि पीने के पानी की जरूरतें पूरी हो सकें और कावेरी डेल्टा में सांबा की खेती हो सके। उन्होंने मंगलवार सुबह सलेम में पानी छोड़ा। हालांकि, विजय ने कहा कि कावेरी नदी का पानी - जो दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है - तमिलनाडु का 'कानूनी अधिकार' है। यह अधिकार कावेरी ट्रिब्यूनल के अंतिम फैसले और सुप्रीम कोर्ट के 16 फरवरी, 2018 के फैसले के तहत मिला है।

न्यूज एजेंसी अठकके अनुसार, विजय ने कहा हम किसी भी हाल में यह अधिकार नहीं छोड़ेंगे। सरकार तमिलनाडु का वाजिब हिस्सा दिलाने के लिए कड़े कदम उठा रही है। 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को निर्देश दिया कि वह तमिलनाडु को पानी छोड़ने के संबंध में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करे। साथ ही, कोर्ट ने यह देखने के लिए एक हफ़्ते और इंतजार करने का फैसला किया कि क्या राज्य पानी के बंटवारे के आदेश का पालन करना जारी रखता है।

मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मुख्यमंत्री विजय के कार्यालय ने कहा कि मेट्टूर बांध से छोड़े जाने वाले पानी की हर एक क्यूबिक फीट मात्रा का इस्तेमाल किसानों के फायदे के लिए किया जाएगा। साथ ही, अधिकारी पानी की अनधिकृत निकासी पर सख़्त कार्रवाई करेंगे, जिसमें कावेरी नदी और उसकी नहरों से इलेक्ट्रिक मोटर के जरिए पानी निकालना भी शामिल है। जो लोग अधिकृत पंपिंग योजनाओं के तहत तय मात्रा से ज्यादा पानी निकालेंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, मेट्टूर बांध में 54.452 TMC पानी जमा है, जलस्तर 91.56 फीट है और पानी का बहाव (इनफ्लो) 10,857 क्यूसेक दर्ज किया गया है। सरकार बांध में जमा पानी और बहाव पर कड़ी नजर रखेगी और सिंचाई की जरूरतों के आधार पर चरणों में पानी छोड़ेगी। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, पानी की सप्लाई का सही तरीके से मैनेजमेंट सुनिश्चित करने के लिए कृषि और किसान कल्याण, जल संसाधन, और राजस्व और आपदा प्रबंधन विभागों को संबंधित ज़िला प्रशासनों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया है। इन उपायों को लागू करने के लिए, जल संसाधन, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभागों, पुलिस और TANGEDCO के अधिकारियों की संयुक्त टीमें तैनात की जाएंगी। ये टीमें पानी की अवैध निकासी को रोकने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी करेंगी। इस बीच, राज्य सरकार कावेरी के पानी में तमिलनाडु के हिस्से को सुरक्षित रखने और डेल्टा क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख कर रही है और कानूनी व प्रशासनिक कदम उठा रही है।

जीडीपी ग्रोथ पर खड़गे का तंज: सरकार पीआर में व्यस्त, देश में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा, जब उन्होंने 7.8 प्रतिशत की GDP ग्रोथ रेट की तारीफ की। खड़गे ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह आम नागरिकों की आर्थिक चुनौतियों को छिपाने के लिए पब्लिक रिलेशंस का सहारा ले रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " पर एक बयान में, खड़गे ने प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया को लाइट्स, कैमरा और इनएक्शन बताया। उन्होंने कहा कि जहाँ सरकार मैक्रो-इकोनॉमिक इंडिकेटर्स (अर्थव्यवस्था के बड़े पैमाने के आंकड़े) को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रही है, वहीं आम आदमी अब भी तीन व से जूझ रहा है – अभूतपूर्व बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेलगाम असमानता। खड़गे ने आरोप लगाया कि बेरोजगारी ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बनी हुई है और दावा किया कि लगभग 40% युवा ग्रेजुएट बेरोजगार हैं। उन्होंने आगे आंकड़े देते हुए कहा कि जुलाई 2026 तक, 15 से 29 साल की उम्र के हर छह भारतीयों में से एक बेरोजगार था। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार के हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के पुराने वादे पर भी निशाना साधा और कहा कि यह वादा पूरी तरह से टूट गया है। खड़गे ने जरूरी चीजों की कीमतों को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने खुदरा महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि चीनी, प्याज, टमाटर, दाल, खाना पकाने का तेल, चावल और दूध जैसी रोजमर्रा की रसोई की चीजों की कीमतें घरों के बजट पर दबाव डाल रही हैं। उन्होंने पेट्रोल, डीजल और LPG की कीमतों को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि बढ़ते खर्चों की वजह से आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। आर्थिक असमानता के मुद्दे पर खड़गे ने आरोप लगाया कि भारत में अमीरी-गरीबी का अंतर काफी बढ़ गया है।

संपादक की कलम से

आईएएस/आईपीएस अधिकारियों का इस्तीफा

ललित शर्मा
संपादक

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) को भारत की शासन प्रणाली की रीढ़ माना जाता है। इन सेवाओं में प्रवेश केवल सरकारी नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि संविधान, राज्य और जनता के प्रति प्रतिबद्धता भी है। इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें। आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं। ऐसे में सवाल व्यक्तिगत नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत हो जाता है। प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल शासन की प्रभावशीलता से गहराई से जुड़ा होता है। प्रशासनिक प्रभावशीलता समय के साथ तब कमजोर हो सकती है जब अधिकारी को यह महसूस होता है कि निर्णय नियमों, कानूनों और जनहित के बजाय बाहरी दबावों के आधार पर लेने पड़ते हैं। यह विशेष रूप से ज़िला स्तर पर सच है, जहाँ प्रशासकों और पुलिस अधिकारियों को अक्सर कानून-व्यवस्था, विकास, सामाजिक तनाव और जनता की शिकायतों तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। नागरिकों की अपेक्षाएँ होती हैं, और वहाँ राजनीतिक और संस्थागत दबाव भी होते हैं। जब ये दबाव बढ़ते हैं और अधिकारी के पास अपने विवेक का उपयोग करने का सीमित अवसर होता है, तो असंतोष और हताशा का उत्पन्न होना निश्चित है। इसलिए, जब भी नौकरी समाप्त करने के लिए वास्तविक व्यक्तिगत कारण मौजूद हों, तो उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए; हालाँकि, जहाँ संस्थागत कारण मौजूद हों, उन्हें केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि बर्खास्तगी 'व्यक्तिगत' कारण से थी। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की स्थिरता, व्यावसायिकता और लोक सेवा के प्रति समर्पण उनके सर्वोत्तम गुणों में से हैं। लेकिन अगर अधिकारी अपने पेशेवर विवेक का पालन करने के बजाय अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगें तो यह गुण धूमिल हो सकते हैं। परियोजनाओं में देरी, कानून-व्यवस्था पर दबाव, शिकायतों पर निष्क्रियता और तबादलों को लेकर अनिश्चितता, ये सभी कारक अधिकारी के मनोबल को प्रभावित कर सकते हैं। एक सक्षम अधिकारी से कठिन परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। इसके लिए अधिकारी को संस्थागत समर्थन और पेशेवर आत्मविश्वास भी मिलना आवश्यक है। समय के साथ, किसी निर्णय के प्रति साहसिक और निष्पक्ष दृष्टिकोण कमजोर पड़ सकता है क्योंकि अधिकारी अपने करियर को ध्यान में रखते हुए उसका मूल्यांकन करने लगते हैं।

सतगुरु की रहमत

उदय कशोर साह

कविता

कर्मों का बोझ जब दिल को सताता है,
हर रास्ता धुंधला-सा नजर आता है,
सतगुरु की रहमत जब सिर पर बरसती है,
भारी से भारी गठरी भी हल्की हो जाती है।

मन के अंधेरों में जब दीप जलाते हैं,
अपने भीतर के दोष नजर आते हैं,
सतगुरु की कृपा जब राह दिखाती है,
भटकी हुई आत्मा मंज़िल पा जाती है।

न दौलत काम आती, न जग का सहारा,
जब कर्मों का हिसाब हो सबसे न्यारा,
सतगुरु की शरण में जो शीश झुकाता है,
वह रहमत से जीवन का भार घटाता है।

गलतियों का बोझ दिल से उतर जाता है,
अहंकार का पर्दा धीरे-धीरे हट जाता है,
जिस हृदय में सतगुरु का नाम बस जाता है,
उसका हर कर्म सेवा बन जाता है।

न माँगूँ मैं दुनियाँ, न सुखों का खजाना,
बस चरणों में मिले सतगुरु का ठिकाना,
किशन रहमत यूँ ही सबके जीवन पर बरसती रहे,
कर्मभार हल्का हो, आत्मा निर्मल होती रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित गर्ग
लेखक

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे।

22 हजार करोड़ का दावा, 6.5 करोड़ का निपटारा: आखिर किस कीमत पर?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा सुभाष चंद्र बैंक के लगभग 22,006 करोड़ रुपये के दावों के निपटारे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में अस्थायी मंजूरी देने के आदेश ने बैंकिंग क्षेत्र को झकझोर दिया है और दिवालियापन कानून तथा देश के आर्थिक न्याय को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। यह टकराव केवल व्यावसायिक संघर्ष नहीं है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट समूहों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, नियामक संस्थानों और न्यायपालिका की व्यवस्था के लिए एक चुनौती है, जो एक ही मंच पर खड़े दिखाई देते हैं। जब इतने बड़े ऋण की वसूली के लिए 99.97 प्रतिशत तक की कटौती की जाती है, तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि कानून निष्पक्ष होगा, या कम से कम आर्थिक शक्ति के अनुरूप कानून की व्याख्या अपरिवर्तित रहेगी। इसलिए, इस निर्णय ने जनता की नाराजगी, राजनीतिक बहस और संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिवालियापन और दिवालिया संहिता मूल रूप से संकटग्रस्त कंपनियों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर पुनर्जीवित करने, लेनदारों के हितों की रक्षा करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए बनाई गई थी। हालांकि, यदि कोई समाधान योजना इतनी कठोर प्रतीत होती है कि अधिकांश दावे को छोड़ दिया जाता है, तो समाधान प्रक्रिया की वास्तविक प्रकृति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी कानून की वैधता केवल यह नहीं है कि वह कानूनी रूप से एक प्रक्रिया स्थापित कर सकता है, बल्कि यह उचित और जनहित के अनुरूप भी होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के धन में भारी कमी - जो अंततः नागरिकों की जमा राशि और करों द्वारा समर्थित है - प्रणाली की जवाबदेही को प्रभावित करेगी। इससे यह धारणा बनती है कि उधारकर्ता का सामाजिक वर्ग, राजनीतिक संबंध और व्यावसायिक शक्ति वसूली की समय-सारणी और उसकी गंभीरता को प्रभावित कर सकती है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि भारत में बैंकिंग प्रणाली छोटे कर्जदारों के प्रति बेहद कठोर मानी जाती है। किसान, छोटे व्यापारी, निम्न मध्यम वर्ग के वेतनभोगी और शिक्षा ऋण लेने वाले छात्रों को मामूली चूक पर भी अक्सर नोटिस, वसूली की कार्रवाई और दंड का दबाव झेलना पड़ता है। इसके विपरीत, जब बड़े व्यावसायिक ऋणों की बात आती है, तो 'पुनर्गठन', 'समाधान' और 'कटौती' जैसे तकनीकी शब्द आम नागरिक को यह नहीं समझा पाते कि नुकसान किसका होगा। 22,000 करोड़ की बड़ी रियायत से असमानता पैदा होना तय है, जब एक किसान की जमीन 50,000 के बकाया ऋण के कारण खतरे में पड़ जाती है। यह असमानता न केवल आर्थिक है, बल्कि नैतिक भी है, जो राज्य और उसकी संस्थाओं में नागरिकों के विश्वास को प्रभावित करती है। इस मुद्दे का एक और पहलू भारत की कॉर्पोरेट ऋण वसूली व्यवस्था की अपारदर्शिता है। दावे की वास्तविक राशि, स्वीकृत प्रतिशत, कटौती के निर्धारण में प्रयुक्त प्रक्रिया और संबंधित परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का आधार आम नागरिक के लिए समझना कठिन है। जब दस्तावेज, मूल्यांकन और निर्णय लेने की प्रक्रिया सरल भाषा में उपलब्ध न हों और सार्वजनिक जांच के लिए खुले न हों, तो ऐसे मामलों में संदेह होना स्वाभाविक है। यह संदेह तब और भी प्रबल हो जाता है जब कोई निर्णय ऐसे समय में आता है जब सरकार और बड़े उद्योगपतियों के बीच किसी प्रकार का संबंध है या नहीं, इस पर राजनीतिक बहस चल रही होती है। इसलिए यह केवल एक व्यक्ति या एक कंपनी का मामला नहीं है, बल्कि यह वित्तीय न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रश्न है। समर्थकों के बीच यह बहस हो सकती है कि दिवालियापन व्यवस्था का लक्ष्य हमेशा अधिकतम वसूली नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान होना चाहिए। किसी व्यवसाय का परिसमापन संपत्ति मूल्यों में गिरावट के कारण हो सकता है और मुकदमेबाजी जारी रखने से बैंकिंग प्रणाली को अल्पकालिक लाभ न हो, ऐसे में कम राशि का समझौता भी एक प्रशासनिक समाधान के रूप में देखा जा सकता है। यह तर्क पूरी तरह से निराधार नहीं है। लेकिन ऐसे सभी कारणों की निष्पक्षता, निरंतरता और समान परिस्थितियों में समाधान की प्रयोज्यता के संदर्भ में गहन जांच की जानी चाहिए। यदि महत्वपूर्ण और शक्तिशाली उधारकताओं के साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है और छोटे उधारकताओं के साथ बुरा व्यवहार किया जाता है तो प्रक्रिया की वैधता कमजोर हो जाती है। यहीं पर यह बात महत्वपूर्ण हो जाती है कि कानूनी रूप से वैध और सामाजिक रूप से न्यायसंगत में क्या अंतर है। इस प्रकरण ने एक महत्वपूर्ण मुद्दे को भी छुआ है: क्या भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग संस्कृति वास्तव में सुधार की ओर अग्रसर हुई है या यह अभी भी राजनीतिक और आर्थिक दबावों के प्रति संवेदनशील है? यदि बैंक बड़े जोखिम भरे ऋण देते हैं, तो चूक के कारण होने वाले नुकसान का अंतिम बोझ सरकारी खजाने पर ही पड़ेगा और 'निजी लाभ, सार्वजनिक हानि' का पुराना रूप फिर से दोहराया जाएगा। ऐसी परिस्थितियों में, बैंकिंग सुधार की मांगें सतही प्रतीत होती हैं। चार चरणों में जवाबदेही की आवश्यकता है: ऋण

बुद्धिमत्ता का दमन, विवेक का पतन और मूर्खता का अभिषेक: आखिर ये किस भारत का निर्माण हो रहा है?

एनके शर्मा
लेखक

भारत आज एक विचित्र ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर दुनिया भारत को उभरती हुई आर्थिक शक्ति, विशाल लोकतंत्र, तकनीकी क्षमता और युवा ऊर्जा वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है; दूसरी ओर भीतर से एक ऐसा प्रश्न लगातार अधिक बेचैन कर रहा है—क्या विकास की इस चमक के पीछे हमारे सामाजिक विवेक, लोकतांत्रिक संस्कार और बौद्धिक स्वतंत्रता का क्षरण तो नहीं हो रहा?

किसी राष्ट्र का संकट केवल तब नहीं आता जब उसकी सीमाएं असुरक्षित हों, अर्थव्यवस्था लड़खड़ाए या बेरोजगारी बढ़े। उससे कहीं भयावह संकट तब जन्म लेता है जब समाज में सत्य से अधिक सुविधा, तर्क से अधिक उत्तेजना, योग्यता से अधिक निष्ठा और विवेक से अधिक भीड़ का महत्व हो जाए। जब प्रश्न पूछना अपराध जैसा महसूस होने लगे और सत्ता से सवाल करने वाला नागरिक अपने ही समाज में कटघरे में खड़ा कर दिया जाए, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा भले सुरक्षित दिखाई दे, उसकी आत्मा पर खतरे की घंटी बजने लगती है। भारतीय संविधान ने जिस गणराज्य की कल्पना की थी, उसमें नागरिक की गरिमा सर्वोपरि थी। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता केवल प्रस्तावना के अलंकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के मूल स्तंभ थे। संविधान ने राज्य से अपेक्षा की कि वह सामाजिक और आर्थिक विषमताओं को कम करे तथा अवसरों में असमानता को समाप्त करने की दिशा में काम करे। लेकिन सात दशक से अधिक की लोकतांत्रिक यात्रा के बाद भी यदि किसी बच्चे की संभावनाएं उसके जन्म, सामाजिक स्थिति, आर्थिक पृष्ठभूमि अथवा राजनीतिक पहुंच से प्रभावित होती हैं, तो हमें अपनी उपलब्धियों के साथ अपनी विफलताओं का हिसाब भी करना होगा। यहां सबसे बड़ी संवैधानिक विडंबना दिखाई देती है—कागज पर समानता और जमीन पर असमान अवसर। सामाजिक न्याय भारतीय लोकतंत्र की अनिवार्य आवश्यकता है। सदियों के भेदभाव और ऐतिहासिक वंचना को केवल उपदेशों से समाप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए सकारात्मक हस्तक्षेप और वंचित वर्गों को अवसर देना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। लेकिन सामाजिक न्याय का उद्देश्य यदि सामाजिक गतिशीलता पैदा करने के बजाय स्थायी राजनीतिक निर्भरता बन जाए, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है। क्या हम ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं जिसमें आने वाली पीढ़ियां अपने सामाजिक परिचय से मुक्त होकर आगे बढ़ेंगी, या ऐसी व्यवस्था जिसमें पहचान ही हमेशा राजनीतिक पूंजी बनी रहेगी? यहीं से राजनीति का वह चेहरा सामने आता है जिसे स्वीकार करने में शायद हम असहज होते हैं। राजनीति जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए बनी थी; लेकिन जब जनता की समस्याएं ही राजनीतिक पूंजी बन जाएं तो लोकतंत्र की दिशा बदल जाती है। गरीबी वोट बैंक बन जाती है, बेरोजगारी चुनावी मुद्दा बनकर रह जाती है, जाति सामाजिक पहचान से आगे बढ़कर चुनावी गणित बन जाती है और धर्म आस्था से निकलकर सत्ता-संघर्ष का हथियार बनने लगता है। फिर नागरिक नहीं, मतदाता दिखाई देता है। और मतदाता भी ऐसा, जिसे चुनाव के समय याद किया जाए और चुनाव समाप्त होते ही भुला दिया जाए। इससे भी खतरनाक है बुद्धिमत्ता के प्रति बढ़ता हुआ अविश्वास। एक वैज्ञानिक प्रमाण मांगता है, इतिहासकार संदर्भ मांगता है, न्यायविद संविधान की कसौटी पर प्रश्न करता है और पत्रकार सत्ता से जवाब मांगता है। यदि इन सबको असुविधाजनक समझा जाने लगे तो समस्या व्यक्ति की नहीं, लोकतांत्रिक संस्कृति की है। क्योंकि स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार को प्रशंसा की आवश्यकता नहीं होती; उसे प्रश्नों की आवश्यकता होती है। विपक्ष लोकतंत्र का दुश्मन नहीं, उसकी अनिवार्य संस्था है। आलोचना राष्ट्र-विरोध नहीं, बल्कि सत्ता को जवाबदेह बनाए रखने का माध्यम है। पत्रकार का प्रश्न सरकार का अपमान नहीं; नागरिक का अधिकार है। विश्वविद्यालय में बहस राष्ट्र की कमजोरी नहीं; राष्ट्र की बौद्धिक शक्ति का प्रमाण है। लेकिन आज हमारे सामने एक विचित्र सामाजिक प्रवृत्ति उभर रही है—जो सबसे अधिक जोर से बोलता है, उसे सबसे अधिक सही मान लिया जाता है; जो सबसे अधिक उत्तेजित करता है, उसे सबसे अधिक लोकप्रिय समझ लिया जाता है; और जो सबसे कठिन प्रश्न पूछता है, उसे सबसे पहले संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। यही वह बिंदु है जहां मूर्खता का अभिषेक शुरू होता है। मूर्खता का अर्थ केवल ज्ञान का अभाव नहीं है। असली मूर्खता तब है जब व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने से इंकार कर दे, अपने पूर्वाग्रह को सत्य समझ ले और प्रमाण मिलने के बाद भी अपनी गलती स्वीकार न करे। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को अभूतपूर्व गति दी है। आज झूठ को प्रमाणित होने की आवश्यकता नहीं; उसे वायरल होने की आवश्यकता है। सत्य को दस्तावेज चाहिए, झूठ को केवल आत्मविश्वास। इस परिस्थिति में मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता यदि सत्ता से प्रश्न करने के बजाय सत्ता के पक्ष में भावनाएं निर्मित करने लगे, यदि समाचार और प्रचार के बीच की रेखा मिट जाए, यदि सनसनी तथ्य पर भारी पड़ जाए, तो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ स्वयं प्रश्नों के घेरे में आ जाता है। और फिर शिक्षा? शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं है। शिक्षा मनुष्य को प्रश्न करना, तर्क करना, असहमति सुनना और सत्य की खोज करना सिखाती है। यदि शिक्षित समाज भी जातीय घृणा, धार्मिक उन्माद, अफवाह और अंधानुकरण का शिकार हो जाए तो हमें अपनी शिक्षा की गुणवत्ता पर पुनर्विचार करना होगा। भारत को ऐसे नागरिक नहीं चाहिए जो हर बात पर सहमत हों। भारत को ऐसे नागरिक चाहिए जो सही कारण से सहमत हों और गलत बात का विरोध करने का साहस रखते हों। सामाजिक विषमता इस संकट को और गहरा करती है। एक भारत वह है जिसके पास अत्याधुनिक तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और वैश्विक अवसर हैं; दूसरा भारत वह है जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन अब भी संघर्ष हैं।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, आठ गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के बेलहरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में घायल जमाल अहमद की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मंगलवार को आठ वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक मोटा बांस का डंडा, यूकेलिप्टस का डंडा और स्टील का पाइप भी बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार मंगलवार को बेलहरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। इसमें जमाल अहमद पुत्र अकबर अली के सिर में गंभीर चोट लगी थी। घटना के संबंध में मोहाना थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घायल का इलाज बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में हुआ, जहां से 18 जुलाई को उसे घर भेज दिया गया था।स्वास्थ्य खराब होने पर परिजन उसे जिला चिकित्सालय ले गए, जहां से उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। इसके बाद उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल लखनऊ में भर्ती कराया गया। वहां 28/29 अगस्त की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इसके बाद मुकदमे में गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराएं बढ़ाई गईं। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई थी।मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सड्डा तिराहे से आठों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे।गिरफ्तार आरोपियों में जुबेर अहमद, क्यूम अहमद, इमरान अहमद, कमरुद्दीन उर्फ रियाज, महबुद उर्फ महबूब, सफीउल्लाह, मोहम्मद आरिफ और हफीजुल्लाह उर्फ हाफू शामिल हैं। सभी बर्डपुर नंबर पांच के टोला छोटकी बेलहरी के निवासी हैं। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक जगतनरायन यादव, अवधेश कुमार समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक, विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल विकसित करने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय सिद्धार्थनगर में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में हुई। बैठक की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष जिलाधिकारी और समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित व पुष्पार्चन कर की। प्राचार्य नीरज कुमार शुक्ल ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी का गमला देकर स्वागत किया। बैठक में प्राचार्य ने विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, प्रशासनिक व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित बिंदुओं की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों में तकनीकी शिक्षा, नवाचार और आधुनिक कौशल के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत की जानी चाहिए। समिति के सदस्यों ने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और आवश्यक सुधार एवं विकास कार्यों को लेकर सुझाव दिए। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने विद्यालय के विभिन्न कक्षों और विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अंत में प्राचार्य नीरज कुमार शुक्ल ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन शस्त्र के तहत बाबूगढ़ पुलिस की कार्रवाई, अवैध असलहे के साथ शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ के निदेशानुसार जनपद में अवैध शस्त्रों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से अवैध असलहा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। थाना बाबूगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई को जनपद में अपराध एवं अवैध हथियारों की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में हुआ भव्य अलंकरण समारोह, नवनिर्वाचित छात्र परिषद ने ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिषद के गठन के अवसर पर भव्य अलंकरण समारोह (इन्वेस्टिचर सेरेमनी) का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण माहौल में किया गया। समारोह में विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, ग्रुप मैनेजर डॉ. गौरव शर्मा, खेल विभागाध्यक्ष दीपांशु गर्ग तथा प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को पौधे भेंट कर हरित अभिनंदन के साथ किया गया। इसके बाद नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को उनके पद एवं दायित्वों से अवगत कराते हुए मुख्य अतिथियों एवं शिक्षकों द्वारा उन्हें सैश पहनाए गए और बैज लगाए गए।समारोह में छात्र परिषद के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। हेड बॉय के पद पर नमन महिंदिरता तथा हेड गर्ल के पद पर जसलीन कौर को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा हाउस कैप्टन एवं वाइस हाउस कैप्टन, अनुशासन प्रभारी, सांस्कृतिक सचिव तथा खेल कप्तान सहित विभिन्न पदों पर विद्यार्थियों को नियुक्त किया गया।नवनिर्वाचित हेड बॉय नमन महिंदिरता, हेड गर्ल जसलीन कौर सहित पूरी छात्र परिषद को निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल किसी पद या उपाधि का नाम नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। समारोह के समापन पर स्कूल एडमिन ऑफिसर लवलेश सिरोही ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने भी विद्यार्थियों को अपने आचरण एवं कार्यों से दूसरों के लिए आदर्श बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नीशू कश्यप की गैर इरादतन हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, ईंट का आधा टुकड़ा बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड। थाना पिलखुवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहल्ला छिद्दापुरी निवासी नीशू कश्यप के साथ मारपीट कर गैर इरादतन हत्या की घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ईंट का आधा टुकड़ा (आलाकत्ल) भी बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों से घटना के संबंध में पूछताछ कर अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

धनगढ़िया गौशाला की अव्यवस्थाओं पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

जोगिया/सिद्धार्थनगर। योगी सरकार की ओर से गौवंशों के संरक्षण और उनकी बेहतर देखभाल के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थनगर के जोगिया विकास खण्ड अन्तर्गत धनगढ़िया स्थित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र-3 में व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हो गये हैं। गौशाला में गौवंशों की हालत खराब होने और समुचित देखभाल के अभाव में कुछ गौवंशों की मौत की बात सामने आयी है। स्थानीय स्तर पर सामने आई तस्वीरों और मिली जानकारी के अनुसार गौशाला में गौवंशों के लिए चारा-पानी, साफ-सफाई और सुरक्षित रख-रखाव जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को लेकर स्थिति सन्तोषजनक नहीं बताई जा रही है। कई गौवंशों की हालत खराब होने की बात कही जा रही है। इससे गौ संरक्षण केन्द्र के संचालन और वहां की व्यवस्थाओं की निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं। धनगढ़िया गौशाला को लेकर पूर्व में भी अव्यवस्थाओं के आरोप सामने आते रहे हैं। इसके बावजूद व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं होने से जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौशाला का नियमित निरीक्षण और व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा हो तो गौवंशों को बेहतर संरक्षण मिल सकता है। मामले को लेकर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर से सम्पर्क किया गया। उनके स्टेनो ने बताया कि प्रकरण को दिखवाकर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। वहीं जिला विकास अधिकारी ने भी मामले को गम्भीरता से लेते हुए जांच कर कार्रवाई की बात कही। उन्होंने बताया कि सम्बंन्धित खण्ड विकास अधिकारी को मामले से अवगत कराते हुए स्पष्टीकरण मांगा जायेगा। अब देखना यह है कि जांच के बाद गौशाला की व्यवस्थाओं में क्या सुधार किया जाता है और गौवंशों की देखभाल में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

दो दिन से लापता ई-रिक्शा चालक का नदी में मिला शव

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

ढेबरुआ/सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के इटवा-बढ़नी मार्ग स्थित मुँहचुरवा नदी पुल के पास रविवार रात से लापता ई-रिक्शा चालक हरिश्चंद्र गुप्ता (40) का शव मंगलवार को कठेला थाना क्षेत्र के सोनबरसा घाट के पास नदी से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। इटवा थाना क्षेत्र के शुक्लागंज कपिया निवासी हरिश्चंद्र गुप्ता पुत्र स्व. राम गुलाम रविवार रात करीब 11 बजे किसी व्यक्ति के फोन करने पर ई-रिक्शा लेकर बढ़नी बाजार की ओर निकले थे। कुछ देर बाद परिजनों ने मोबाइल पर फोन किया तो किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाकर बताया कि हरिश्चंद्र घायल अवस्था में मुँहचुरवा नदी पुल के पास सड़क किनारे पड़े हैं। परिजन मौके पर पहुंचे तो ई-रिक्शा सड़क किनारे खड़ा मिला, लेकिन हरिश्चंद्र वहां नहीं थे। सड़क की पटरी से नदी के तट तक खून के निशान मिले। इससे परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर ढेबरुआ समेत अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ टीम, स्टीमर और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान चलाया गया। सोमवार को भी काफी देर तक खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार को सोनबरसा घाट के पास नदी में हरिश्चंद्र का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर मिले खून के निशान और युवक के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने के कारण परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। हालांकि, पुलिस ने अभी हत्या की पुष्टि नहीं की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

शातिर पशु चोर गिरोह का पदार्फाश, आठ देशी बम और फर्जी नंबर प्लेट बरामद

डीसीएम से पशुओं की चोरी कर सप्लाई करने का आरोप, पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ देशी बम, दो कूटरचित नंबर प्लेट और एक डीसीएम मालवाहक वाहन बरामद किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार के निर्देश पर उपनिरीक्षक रामनरेश और उपनिरीक्षक बनवारी लाल पुलिस टीम के साथ जंगली वीर बाबा के पास पहुंचे। पुलिस के अनुसार, वहां दो व्यक्ति किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम को अचानक सामने देखकर दोनों भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने तलाशी ली तो आरोपियों के पास से आठ देशी बम और दो फर्जी नंबर प्लेट बरामद हुईं। मौके से एक डीसीएम मालवाहक वाहन भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज गौतम और मुकेश कुमार सरोज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे डीसीएम वाहन के माध्यम से पशुओं की चोरी कर उनकी सप्लाई करते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है और उनके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सीमा पर एआरटीओ की कार्रवाई, 21 मालवाहक वाहनों के चालान

खुनुवां/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित खुनुवां बॉर्डर की ओर जाने वाले शोहरतगढ़–खुनुवां मुख्य मार्ग पर मंगलवार को सहायक संभागीय परिवहन विभाग ने औचक जांच अभियान चलाया।एआरटीओ संजय सिंह के नेतृत्व में टीम ने नेपाल जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों के कागजात, लोड क्षमता और परिवहन मानकों की जांच की। अभियान के दौरान कुल 30 भारी मालवाहक वाहनों के प्रपत्र और लोड क्षमता की जांच की गई। इनमें आठ वाहनों के कागजात और लोड क्षमता मानक के अनुरूप मिले। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाले 21 वाहनों का चालान किया गया। एक वाहन के प्रपत्र सही नहीं पाए जाने पर उसे चिल्हियां थाने में निरुद्ध कराया गया। जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस और टैक्स से संबंधित दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। एआरटीओ संजय सिंह ने बताया कि ओवरलोडिंग और परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ वाहन चालकों से परिवहन नियमों का पालन कराना है। जांच अभियान के दौरान यात्री कर अधिकारी (पीटीओ) एमएस सिद्दीकी समेत सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

उद्योग और व्यापार बंधु की बैठक में निवेश बढ़ाने और व्यापारियों की समस्याएं दूर करने पर जोर

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिला स्तरीय उद्योग बंधु और व्यापार बंधु की समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि जिन निवेशकों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, उनसे लगातार संपर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाए और उन्हें जनपद में अधिक से अधिक निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों और व्यापारियों के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए। बैठक में व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के सामने रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों को भी संबंधित विभागों से शीघ्र निस्तारित कराने को कहा।

उन्होंने उपायुक्त उद्योग को रोजगार सृजन योजना के शासन से प्राप्त लक्ष्य को पूरा करने और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों के आवेदन कराने के निर्देश दिए। बैठक में दुग्ध, पशुपालन, एमएसएमई, उद्यान, पर्यटन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और एक जनपद एक उत्पाद से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। व्यापारियों ने सरस्वती विद्या मंदिर नौगढ़ के पास खराब पड़े वाटर एटीएम को ठीक कराने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे, उपायुक्त उद्योग शिव शंकर कुमार, डिप्टी आरएमओ राजेश कुमार, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अन्य अधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी पर यूट्यूबर के वीडियो पर पूर्व विधायक धीरज ओझा ने कहा कराऊगा मुकदमा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पूर्व विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने समाजवादी पार्टी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध अभद्र एवं अशोभनीय गाना बनवाकर प्रचारित किए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी संवैधानिक पद पर आसीन मुख्यमंत्री के विरुद्ध इस प्रकार की अभद्र भाषा और अशोभनीय प्रस्तुति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

अखिलेश यादव की मौजूदगी में उक्त गाना बजाए जाने का मामला पूरे प्रकरण को और गंभीर बनाता है। पूर्व विधायक धीरज ओझा ने कहा कि इस पूरे मामले की शिकायत संबंधित उच्चाधिकारियों से की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीति में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और वैचारिक विरोध का स्वागत है, लेकिन राजनीतिक मयार्दा और सार्वजनिक जीवन की गरिमा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

खटीमा में नगर वन ऑक्सीजन पार्क का लोकार्पण, विकास की कई सौगातें

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पार्क के विस्तारीकरण, स्टेडियम, सर्किट हाउस और वेंडिंग जोन की घोषणा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। खटीमा में नवनिर्मित नगर वन ऑक्सीजन पार्क का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क परिसर में पौधरोपण किया और पार्क का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने खटीमा के विकास को लेकर कई घोषणाएं भी कीं। इनमें नगर वन ऑक्सीजन पार्क का विस्तारीकरण, वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय को पार्क परिसर में स्थानांतरित करना, स्टेडियम और क्रियाशाला का निर्माण, सर्किट हाउस का निर्माण तथा वेंडिंग जोन विकसित करना शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा की भौगोलिक स्थिति पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। व्यास वैली, पंचाचूली और आदि कैलाश की ओर जाने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खटीमा में सर्किट हाउस का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर वन ऑक्सीजन पार्क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। पार्क को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्क परिसर में महिलाओं की सुविधा के लिए पिंक शौचालय बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच वनों और पर्यावरण का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इकोलॉजी और इकोनॉमी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रकृति और पर्यावरण के साथ संतुलन बनाते हुए आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए रोजगार और आजीविका के स्थायी अवसर भी सृजित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने नगर वन ऑक्सीजन पार्क विकसित किए जाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, दायित्वधारी मोहिनी पोखरिया, गंभीर सिंह धामी, अनिल कपूर ह्यडब्बूह्, किशन सिंह किन्ना, रणजीत सिंह नामधारी, आयोग के सदस्य जेड. ए. वारसी, गुड्डू टम्टा, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, रणदीप पोखरिया, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, वन संरक्षक नीतिशमणि त्रिपाठी, प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, यू.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

200 मीटर तार पर चोरों ने किया हाथ साफ, बिजली विभाग में मचा हड़कंप

मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के खंद्रावली चौकी से कुछ ही दूरी पर अज्ञात चोरों ने बिजली विभाग को बड़ा नुकसान पहुंचाते हुए 11 केवी लाइन का करीब 200 मीटर तार चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने पर बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर 1912 की टीम और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।बताया गया कि 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र खंद्रावली के सेकेंड डिवीजन क्षेत्र में रेलवे स्टेशन फीडर पर 11 केवी विद्युत लाइन के तार लगे हुए थे। अज्ञात चोरों ने लाइन के तार काटकर करीब 200 मीटर तार चोरी कर लिया। तार चोरी होने का पता चलने पर विभागीय कर्मचारियों ने अधिकारियों को सूचना दी।सूचना मिलते ही 1912 की टीम मौके पर पहुंची और विद्युत लाइन की स्थिति की जांच की। टीम ने चोरी हुए तार की लंबाई और घटना से हुए नुकसान की जानकारी जुटाई। मौके पर खंद्रावली चौकी पुलिस भी पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लोगों से जानकारी जुटाने के साथ ही घटना से जुड़े साक्ष्यों की जांच की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों ने मामले में थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। विभाग की ओर से चोरी हुए तार की कीमत और इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जन्माष्टमी को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर का अफसरों ने किया निरीक्षण

जन्माष्टमी को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर का अफसरों ने किया निरीक्षण

मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया

मथुरा। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था का गहन अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने परिसर और आसपास के संवेदनशील स्थलों की स्थिति भी देखी। भीड़ के दबाव को देखते हुए व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जन्माष्टमी पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मथुरा पहुंचने को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रशासन भी श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जन्माष्टमी से एक दिन पूर्व से ही मथुरा कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इस दौरान मुख्यमंत्री दो दिवसीय मेला भ्रमण पर रात्रि विश्राम मथुरा में ही करेंगे। प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए लगातार हेलीपेड़, कार्यक्रम स्थल, सड़कों की मरम्मत समेत यातायात व्यवस्था के लिए लगातार जरूरी दिशानिर्देश दिए जा रहे हैं। मथुरा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों को रंग-बिरंगी रोशनी लाइटों से सजाया जा रहा है। आला अधिकारियों ने जरुरी अधीनस्थ अधिकारियों को समय रहते सभी जरुरी कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। श्रद्धालुओं को यातायात, सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम के आदेश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा कराना प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

फर्जी क्यूआर कोड से किराना दुकानदार से ऑनलाइन ठगी

कांधला। थाना क्षेत्र के मलकपुर मार्ग पर किराना दुकानदार के साथ फर्जी ऑनलाइन भुगतान कर ठगी करने का मामला सामने आया है। बाइक सवार दो युवक करीब 150 रुपये का सामान खरीदकर फर्जी क्यूआर कोड से भुगतान का सक्सेसफुल मैसेज दिखाकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित दुकानदार ने साइबर क्राइम को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मलकपुर मार्ग निवासी राजीव कुमार सैनी ने बताया कि वह अपनी किराना की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक दुकान पर पहुंचे। एक युवक बाइक पर बैठा रहा, जबकि दूसरे ने दुकान से करीब 150 रुपये का सामान खरीदा। सामान लेने के बाद युवक ने ऑनलाइन भुगतान करने की बात कही और क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान करने का दावा किया।आरोप है कि युवक ने दुकानदार को भुगतान सफल होने का फर्जी एसएमएस भी दिखा दिया। राजीव कुमार ने कुछ देर रुककर खाते में रकम आने की बात कही, लेकिन इसी दौरान दोनों युवक बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। बाद में दुकानदार को ऑनलाइन भुगतान नहीं होने की जानकारी हुई तो उसने मामले की शिकायत साइबर क्राइम से की। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करने और ठगी की रकम वापस दिलाने की मांग की है।

रामपुर खेड़ी में निशुल्क मेडिकल कैंप

क्षेत्र के गांव रामपुर खेड़ी में मंगलवार को जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में चिकित्सकों ने ग्रामीणों की जांच कर 32 लोगों को निशुल्क दवाइयां वितरित कीं।बताया गया कि रालोद नेता राजन जावला ने किसान दिवस में रामपुर खेड़ी में मेडिकल कैंप लगाए जाने का मुद्दा जोर–शोर से उठाया था। इसके बाद गांव में कैंप का आयोजन किया गया।

गोवर्धन में बढ़ा बंदरों का आतंक, दहशत में लोग

बच्चों और राहगीरों में दहशत, घरों से निकलना भी हुआ मुश्किल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। धार्मिक नगरी गोवर्धन में इन दिनों बंदरों की बढ़ती संख्या के साथ उनका आतंक भी बढ़ गया है। बंदर अब केवल सामान छीनने या घरों में घुसने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों पर हमला कर उन्हें घायल भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में बंदरों के हमले की घटनाएं बढ़ी हैं। आबादी वाले क्षेत्रों में झुंड के रूप में घूम रहे बंदरों से बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों में दहशत का माहौल है। खेरा मोहल्ला, दसविसा, महल बदन सिंह, रामबाबा आश्रम, लोकमणि विहार, पूंछरी-जतीपुरा मार्ग और मिर्ची वाली बगीची समेत कई इलाकों में बंदरों का खासा बोलबाला है। लोगों का आरोप है कि आसपास के क्षेत्रों से बंदरों को लाकर गोवर्धन में छोड़ा जा रहा है। श्रद्धालुओं द्वारा चना, केला और फ्रूटी आदि खिलाए जाने से भी इनकी संख्या बढ़ रही है। बंदर घरों में घुसकर सामान उठाने के साथ रास्तों पर अचानक हमला कर देते हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा भी बना रहता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बंदरों के काटने और हमले में घायल लोगों के मामले सामने आते रहते हैं। सबसे अधिक खतरा छोटे बच्चों को है, जिन्हें बंदरों के डर से अकेले गलियों में भेजना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि बंदरों के हमले की घटनाएं बढ़ने के बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बंदरों को पकड़ने, आबादी वाले क्षेत्रों से हटाने और उनकी संख्या नियंत्रित करने के लिए जल्द अभियान चलाने की मांग की है।

गन्ना मंत्री को कालनेमी बताने पर समर्थकों में उबाल, ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

छाता शुगर मिल आंदोलन के विरोध में मंत्री लक्ष्मीनारायण के समर्थन में प्रेसवार्ता, बोले–मांग रखना अधिकार, अमर्यादित टिप्पणी स्वीकार नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/नंदगांव। छाता शुगर मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर चल रहे धरने और आंदोलन के बीच अब क्षेत्रीय राजनीति भी गरमा गई है। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण को लेकर आंदोलन के दौरान की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को नंदगांव और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों ने मंत्री के समर्थन में प्रेसवार्ता कर आंदोलनकारियों से संयम बरतने और व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचने की अपील की। ग्रामीणों का कहना था कि शुगर मिल को लेकर अपनी मांग रखना हर व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करना क्षेत्र की गरिमा और मुद्दे की गंभीरता दोनों को प्रभावित करता है। प्रेसवार्ता में दान बिहारी चौधरी ने कहा कि छाता शुगर मिल को दोबारा चालू कराने को लेकर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण स्वयं गंभीर हैं और अपने स्तर से लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ अनावश्यक बयानबाजी और व्यक्तिगत टिप्पणियां करना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी राजनीति से प्रेरित कुत्सित मानसिकता का परिचायक प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि मिल का मुद्दा किसानों के भविष्य से जुड़ा है, इसलिए इसे व्यक्तिगत राजनीतिक टकराव का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। खरोट से आईं फैली प्रधान ने कहा कि छाता शुगर मिल से हजारों किसानों और क्षेत्र के लोगों की उम्मीदें जुड़ी हैं। मिल शुरू होने से किसानों को गन्ने की फसल के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को आपसी समन्वय और सकारात्मक बातचीत के जरिए समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग धरना-प्रदर्शन की आड़ में माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं और जिनके पास स्वयं एक कुंतल खेत नहीं है, वे किसान बनने का ढोंग कर रहे हैं। बदनगढ़ से आए अधिवक्ता उधम सिंह ने कहा कि चौधरी लक्ष्मी नारायण लंबे समय से क्षेत्र की राजनीति और जनसेवा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि चार दशक से अधिक समय से मंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किया है। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विकास से जुड़े अनेक मुद्दों को लेकर उनके प्रयास लगातार जारी रहे हैं। ऐसे में क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दे पर राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणियों से बचना सभी की जिम्मेदारी है। नंदगांव चेयरमैन प्रतिनिधि भीम चौधरी ने कहा कि छाता शुगर मिल का मुद्दा किसी व्यक्ति विशेष की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों और आमजन के भविष्य से जुड़ा है। इसलिए इसे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखते हुए सभी पक्षों को मिलकर समाधान की दिशा में प्रयास करना चाहिए। पूर्व चेयरमैन बदन सिंह ने भी आंदोलनकारियों से अपनी मांगें शांतिपूर्ण और मर्यादित तरीके से रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने के बजाय मिल को शुरू कराने के प्रयासों में सभी को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

रामगोपाल नेता ने कहा कि आंदोलन के दौरान एक समिति का गठन किया गया था और समिति के लोग पूर्व सांसद कुंवर मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी मांग रख चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से उन्हें ठोस आश्वासन भी दिया गया है। ऐसे में अब धरना समाप्त कर सरकार को मिल शुरू कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए समय देना चाहिए। प्रेसवार्ता में दान बिहारी चौधरी, दानों नेता, फैली प्रधान, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भीम सिंह, अधिवक्ता उधम सिंह, कुम्पी पहलवान, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बदन सिंह, रामगोपाल, भुवनेश गोस्वामी, रणवीर चौधरी, कुलदीप सिंह, किशन नेता सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों के ग्रामीण, किसान और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव का जनपद आगमन पर कांग्रेसियों ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त का जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रीय सचिव ने जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर जिले की राजनीतिक, सामाजिक एवं जनहित से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने राष्ट्रीय सचिव को जिले की विभिन्न समस्याओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए अभिषेक दत्त ने भाजपा पर प्रदेश के उद्योगों और मिलों को बेचने तथा बंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संतकबीरनगर में भी कांग्रेस शासनकाल में स्थापित की गई एक मिल को प्रदेश के एक बड़े उद्योगपति को बेच दिया गया। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में बड़े उद्योगों और मिलों को बेचने का सिलसिला चला है। कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर जनता की आवाज उठाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब केंद्र में सत्ता में थी, तब किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण योजनाएं और कानून लागू किए गए। मनरेगा जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और केरल में कांग्रेस की सरकारों ने विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादों और गारंटियों को पूरा करने का काम किया है। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि कांग्रेस किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे भी संघर्ष करेगी। किसानों के हित, महिला सुरक्षा, युवाओं को रोजगार और बिजली के मीटर से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जल्द ही इन मुद्दों को लेकर व्यापक स्तर पर कार्यक्रम चलाएगी और संगठन के कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर जनता से जुड़ने के निर्देश दिए जाएंगे।भाजपा पर निशाना साधते हुए अभिषेक दत्त ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा को केवल संगठन के आधार पर नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दों के कारण भी समर्थन दिया। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से जुड़े भूमि सौदे और चंदे के उपयोग को लेकर भाजपा पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के नाम पर सामने आए विवादों से लोगों के बीच सवाल खड़े हुए हैं। कांग्रेस जनता की आस्था का सम्मान करती है, लेकिन आस्था के नाम पर किसी भी प्रकार की अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाना भी जरूरी समझती है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष मो. नजीर, दिलशाद अफसर, सुनील कुमार पांडेय, शांति देवी, अरुण पांडेय, सैयद तारिक हुसैन, जमाल अहमद, दयाशंकर चौधरी, हरि चौधरी, अतीक सिद्दीकी, जय प्रकाश पांडेय, अजय सिंह, फैजान खान, मोइन अंसारी, जमशेद, सतीश साहनी, अखिलेश शर्मा, अशोक आर्य, राजीव गोंड, देवेंद्र कुमार, रमेश पांडेय, रियाज प्रधान, पन्नेलाल, चंद्रमणि त्रिपाठी, अयाजुल हक, हीरालाल, शिवदास मौर्य, प्रद्युम्न कुमार, प्रेमनाथ मौर्य, रामलौट यादव, राजन लाला, विजय विश्वकर्मा, बिट्टू सिंह, हबीबुल्ला, नागेंद्र पाल, दुर्गेश पाठक, गुड्डू उपाध्याय, जमुना प्रसाद, रामाश्रय यादव, संतोष पांडेय, उदयराज चौधरी, रवि राय, सत्यानंद त्रिपाठी, अख्तर, सहारे आलम, सीमू खान, इबरार अहमद, अभय चौधरी, रमेश चौधरी, परवेज अख्तर, पिंटू सिंह, दुर्गेश सिंह, शुभम पांडेय, राजाराम कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फ्रॉड के शिकार पीड़ित को थाना दुधारा की साइबर सेल टीम ने 10,000 की धनराशि कराई वापस

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में क्रैक साइबर क्राइम के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने हेतु साइबर सेल थाना दुधारा टीम द्वारा सतत प्रभावी कार्यवाही करते हुए आवेदक के फ्राड का 10,000 रुपये की धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिया गया है। अब्दुल हसीब पुत्र अब्दुल वहीद निवासी ग्राम सेमरियावाँ थाना दुधारा जनपद संतकबीरनगर द्वारा बी0एड0 में प्रवेश दिलाने के सम्बन्ध में एक व्यक्ति से सम्पर्क किया गया था। उक्त व्यक्ति के कहने पर आवेदक द्वारा 10,000 (दस हजार रुपये) हस्तांतरित किये गये थे, धनराशि हस्तांतरित किये जाने के उपरान्त उक्त व्यक्ति द्वारा आवेदक का फोन रिसीव नहीं किया जा रहा था, जिससे आवेदक को अपने साथ साइबर ठगी होने की आशंका हुई। इस पर आवेदक द्वारा तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल कर साइबर शिकायत दर्ज करायी गयी। उक्त शिकायत की जाँच के क्रम में थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, प्रभारी साइबर सेल उ0नि0 अनिल मिश्रा, का0 अनुज कुमार, का0 ऋषिकेश यादव, का0 हर्ष सिंह व म0 का0 एकता सिंह साइबर सेल ल्ली सम्बन्धित व्यक्ति से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके उपरान्त उक्त व्यक्ति द्वारा आवेदक से सम्पर्क कर उसकी 10,000 रु0 की सम्पूर्ण धनराशि वापस कर दी गयी।

सपा में शामिल होने के बाद बीसलपुर पहुंचे डॉ. रत्नेश गंगवार, जगह-जगह हुआ जोरदार भव्य स्वागत

फूल-मालाओं से अभिनंदन, कार्यकर्ताओं ने लगाए समाजवादी पार्टी जिंदाबाद के नारे

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद डॉ. रत्नेश गंगवार का मंगलवार को बीसलपुर में प्रथम आगमन हुआ। इस दौरान सपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों ने विभिन्न चौराहों और प्रमुख स्थानों पर फूल-मालाओं से उनका भव्य एवं जोरदार स्वागत किया। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।डॉ. रत्नेश गंगवार के बीसलपुर पहुंचने पर जगह-जगह कार्यकताओं ने उनका स्वागत करते हुए फूल-मालाएं पहनाईं और उनके साथ एकजुटता का संदेश दिया। कई स्थानों पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं समर्थक एकत्र रहे। इस दौरान कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी जिंदाबाद और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए, जिससे माहौल समाजवादी नारों से गूंज उठा।

स्वागत के दौरान डॉ. रत्नेश गंगवार ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के विचारों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने का आह्वान भी किया।

डॉ. रत्नेश गंगवार के स्वागत में उमड़ी कार्यकताओं की भीड़ और उत्साह से पार्टी के स्थानीय संगठन में नई ऊर्जा दिखाई दी। कार्यकताओं ने कहा कि उनके पार्टी में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे।स्वागत कार्यक्रम में पूर्व नगराध्यक्ष बीसलपुर मुक्तदिर हयात खान, अकील अहमद अंसारी, गायत्री गंगवार, रामप्रताप गंगवार, इस्तेयाक मंसूरी, सछास जिलाध्यक्ष अभिषेक गंगवार, जावेद अंसारी सोशलिस्ट, बीसलपुर विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा, अंसार मंसूरी, अवनीश यादव, अंकित जायसवाल, डॉ. दुष्यंत गंगवार, संजीव संखधार, सछास जिला महासचिव दानिश अल्वी, मो. यासीन अंसारी, शशिकांत सहित तमाम नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

दो लाख क्यूसेक पानी से बढ़ेगा शारदा का जलस्तर, प्रशासन का हाई अलर्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। बनबसा बैराज से करीब दो लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना के बाद पूरनपुर तहसील प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। एसडीएम मयंक गोस्वामी ने शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने तथा नदी तटीय एवं निचले क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की आशंका जताते हुए लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।एसडीएम की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया है कि बनबसा बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण शारदा नदी का जलस्तर बढ़ सकता है। इससे तहसील क्षेत्र के नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों में बाढ़ अथवा जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।प्रशासन ने लोगों से शारदा नदी एवं अन्य नदियों और नालों के किनारे न जाने तथा तेज बहाव वाले पानी में प्रवेश न करने की अपील की है। बच्चों को नदी, नालों और जलभराव वाले स्थानों से दूर रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जलभराव वाले रास्तों पर अनावश्यक आवागमन न करने और तेज बहाव वाले मार्गों को पार करने का प्रयास न करने को कहा गया है।नदी तटीय एवं निचले क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों से प्रशासन के निर्देश मिलने पर तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा गया है। पशुपालकों से अपने पशुओं, विशेषकर गौवंश को सुरक्षित स्थानों पर रखने की अपील की गई है।एसडीएम ने विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर और टूटे हुए बिजली के तारों से दूर रहने की भी चेतावनी दी है। किसी भी प्रकार की जनहानि, पशुहानि, मकान, फसल अथवा अन्य संपत्ति की क्षति होने पर तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना देने को कहा गया है। तहसील प्रशासन द्वारा शारदा नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

खेत पर पति से बिछड़ी महिला का दूसरे दिन भी नहीं मिला सुराग, नहर किनारे मिली चप्पल-दुपट्टा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। थाना घुंघचिहाई क्षेत्र के गांव दिलावरपुर में खेत की रखवाली करने गई 28 वर्षीय महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से परिजनों में चिंता का माहौल है। महिला की तलाश में पुलिस और परिजन जुटे हुए हैं, लेकिन घटना के दूसरे दिन मंगलवार सुबह दस बजे तक भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका। नहर किनारे महिला की चप्पल और दुपट्टा मिलने के बाद उसके हरदोई ब्रांच नहर में कूदने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि गांव दिलावरपुर निवासी अशोक पुत्र फकीरेलाल सोमवार सुबह अपनी पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ दंदौल पुल के समीप एक किसान के खेत की रखवाली करने गए थे। अशोक के अनुसार, उन्होंने अपनी पत्नी को नहर किनारे स्थित खेत के पास छोड़ दिया और कुछ दूरी पर दूसरे खेत की ओर चले गए। करीब एक घंटे बाद जब वह वापस लौटे तो लक्ष्मी देवी मौके पर मौजूद नहीं थीं।पत्नी के अचानक गायब मिलने पर अशोक ने आसपास के खेतों और नहर पटरी पर उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद नहर के किनारे लक्ष्मी की चप्पल और दुपट्टा पड़ा मिला। सामान मिलने के बाद परिजनों की चिंता और बढ़ गई। उन्हें आशंका है कि महिला ने किसी कारणवश नहर में छलांग लगा दी होगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और महिला की तलाश शुरू कर दी।

सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद घुंघचिहाई पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ आसपास के क्षेत्र में भी महिला की तलाश कराई।महिला के दूसरे दिन भी नहीं मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है। परिजन नहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं।

भाजपा की जिला कार्ययोजना बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर जोर

मंडल कार्यसमिति सत्यापन और प्रवास योजना को लेकर बनी रणनीति

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर मंगलवार को मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के निमित्त जिला कार्ययोजना बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी गुलशन आनंद रहे, जबकि मुख्य वक्ता राष्ट्रीय परिषद सदस्य सुरेश गंगवार रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने की। संचालन जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री ने किया। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने बताया कि मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के लिए जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री को जिला संयोजक बनाया गया है। अभियान के तहत मंडल स्तर पर प्रवास के लिए जिला पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं बूथ स्तर पर बूथ समिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के लिए मंडल और शक्ति केंद्र के पदाधिकारियों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूती मिलेगी। मुख्य अतिथि गुलशन आनंद ने कहा कि भाजपा सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्य करने वाला संगठन है। पार्टी कार्यकर्ता समाज में समरसता और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करते हैं। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता सुरेश गंगवार ने कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर बूथ सशक्तिकरण सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। भाजपा का संगठन पन्ना प्रमुख तक विस्तारित है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के आधार पर आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। बैठक में जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, नमन प्रताप राजपूत, रेखा सिंह परिहार, विकास श्रीवास्तव, आयुष मिश्रा, मान सिंह राठौर, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता समेत जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ठेकेदार पर भतीजों से मजदूरी कराने और रुपये नहीं देने का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र की नई बस्ती निवासी एक व्यक्ति ने कैराना निवासी ठेकेदार पर उसके दो भतीजों से हरियाणा के खरखौदा में जबरन मजदूरी कराने और मजदूरी के रुपये नहीं देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने ठेकेदार पर दोनों भतीजों के मोबाइल छीनकर अपने पास रखने का भी आरोप लगाते हुए मंगलवार को थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।नई बस्ती निवासी गुलजार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके दो भतीजे सावेज और साकिब को कैराना निवासी एक ठेकेदार काम कराने के लिए हरियाणा के खरखौदा ले गया था। आरोप है कि वहां दोनों से जबरदस्ती मजदूरी कराई गई, लेकिन काम के बदले मिलने वाली मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया। आरोप है कि ठेकेदार ने दोनों के मोबाइल फोन भी अपने पास रख लिए और उन्हें वापस नहीं किए। पीड़ित व्यक्ति गुलजार अपने दोनों भतीजों को साथ लेकर थाने पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर मामले की जांच कर आरोपित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी से बच्चू सिंह का कहना तहरीर मिली है जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

संस्कृति महोत्सव में आरएसआरडी विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीते 2 प्रथम, 4 द्वितीय और 3 तृतीय स्थान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/बीसलपुर। संकुल स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बीसलपुर में उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। महोत्सव में आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पूरनपुर के छात्र-छात्राओं एवं आचार्या ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कलात्मक कौशल का प्रभावशाली परिचय देते हुए कुल नौ पुरस्कार अपने नाम किए। प्रतियोगिताओं में गीत बाल वर्ग में आरोही सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं गीत किशोर वर्ग में सुपिरिति मंडल ने मधुर एवं प्रभावशाली प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया। चित्रकला बाल वर्ग में कामाख्या सिंह तथा मूर्ति कला बाल वर्ग में विधि पाण्डेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।आशुभाषण किशोर वर्ग में यज्ञ प्रताप सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया, जबकि आशुभाषण तरुण वर्ग में आदित्य ने अपने प्रभावशाली वक्तृत्व कौशल से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आचार्य पत्र वाचन प्रतियोगिता में रीमा मैम ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में कथा कथन बाल वर्ग में आदर्श ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्वरचित काव्य किशोर वर्ग में अलीशान ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान अर्जित किया।विद्यालय के विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। शानदार प्रदर्शन से यह भी स्पष्ट हुआ कि विद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों के साथ भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला, संगीत और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है।

खनिज न्यास के पैसे की बंदरबांट की जांच को लेकर कांग्रेस का धरना जारी

बागेश्वर (वेलकम इंडिया)। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास के करीब 28 करोड़ रुपये के फंड में कथित अनियमितता और घोटाले का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकताओं ने मंगलवार को तीसरे दिन भी जिला कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने डीएमएफ फंड के उपयोग से जुड़े अभिलेखों की जांच कर पूरे मामले का खुलासा करने को कहा। कार्यकताओं ने कहा कि डीएमएफ की धनराशि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों के लिए निर्धारित है। ऐसे में करीब 28 करोड़ रुपये की धनराशि के उपयोग को लेकर उठ रहे सवालों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच जरूरी है। कांग्रेस नेता बसंत कुमार ने कहा कि डीएमएफ से संबंधित प्रस्तावों, वार्षिक कार्ययोजना, बजट, स्वीकृत कार्यों और खर्च से जुड़े अभिलेखों की गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द जिला प्रशासन मामले में जांच कमेटी और खनन क्षेत्रों से बाहर किए गए बजट के खर्चो पर उचित कार्रवाई नही करेगा तो न्यायालय में जनहित याचिका के माध्यम से नियमों को ताक में रखकर खनन न्यास के पैसों को मनमाने तरीके से खर्च करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को मजबूर होंगे। कहा कि खनन क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए लोग क्षतिपूर्ति की मांग करते हैं पर उनके हक का पैसा खनन क्षेत्र से बाहर खर्च कर खनन प्रभावितों की सुध नही ली जाती है इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, बालकृष्ण टम्टा, सुंदर मेहरा, राजेंद्र टंगड़िया, लोकमणि पाठक, दिनेश चंद्र पांडे, दान सिंह टंगड़िया, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

युवक को पेड़ से बांधकर गुप्तांगो पर किया प्रहार, जाति पूछी और मांगे गये 50 हजार

हिरासत में चार वनकर्मी, कार्रवाई में हीलाहवाली पर थाने में नारेबाजी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। घर लौट रहे ई-रिक्शा चालक को आधा दर्जन वनकर्मियों ने जंगल के अंदर पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा। डंडों और पट्टे से पिटाई के बाद उसके गुप्तांगों पर भी प्रहार किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारी थाने पहुंच गए और नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। घायल युवक किसान यूनियन का सदस्य है। पुलिस ने चार वनकर्मियों को हिरासत में लिया है। हालांकि वनकर्मियों ने भी ई-रिक्शा चालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रम्पुरा ताल्लुके महाराजपुर निवासी 35 वर्षीय मेराज खान पुत्र मुस्ताक खान सोमवार को पूरनपुर से सवारियां लेकर गभिया सहराई गया था। शाम को सवारियां छोड़ने के बाद वह ई-रिक्शा से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि डगा मार्ग स्थित रजवाह नहर हल्दीडेंगा के पास वह सड़क किनारे पड़ी जलौनी लकड़ी बीनने लगा। इसी दौरान वहां पहुंचे आधा दर्जन वनकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। मेराज खान के पक्ष का आरोप है कि वनकर्मी उसे बड़े साहब से मिलाने की बात कहकर जंगल के अंदर ले गए, जहां उसे बंधक बनाकर मारपीट की गई। पिटाई से उसके शरीर और गुप्तांगों पर चोटें आने की बात कही गई है। किसी तरह वहां से निकलने के बाद युवक थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी।घटना की जानकारी लगने पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारी भी कोतवाली पहुंच गए। बताया जा रहा है कि घायल युवक किसान यूनियन का सदस्य है। घटना से नाराज किसान नेताओं ने थाने में नारेबाजी कर कार्रवाई की मांग की। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि घर लौट रहे युवक के साथ वनकर्मियों ने बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि युवक की जाति पूछी गई और जंगल में पेड़ से बांधकर डंडों व पट्टे से पीटा गया। उन्होंने युवक के गुप्तांगों पर चोट पहुंचाने और उससे 50 हजार रुपये की मांग करने का भी आरोप लगाया है। दूसरी ओर वनकर्मियों ने भी ई-रिक्शा चालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने पर पुलिस उन्हें थाने ले गई। दोनों पक्षों के लोगों के चोटिल होने की बात सामने आई है। पुलिस ने चार वनकर्मियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मजदूर की हुई बाइक चोरी, पुलिस से कार्रवाई की गुहार

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित वसंत कुंज कॉलोनी में मजदूरी करने आए एक युवक की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने काफी तलाश करने के बाद थाने पहुंचकर अज्ञात चोर के खिलाफ तहरीर देकर बाइक बरामद कराने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।शामली सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव लिलौन निवासी अंकित कुमार ने बताया कि वह क्षेत्र की वसंत कुंज कॉलोनी में मजदूरी का कार्य करता है।

मंगलवार को वह अपनी बाइक से काम करने के लिए कॉलोनी में पहुंचा था। उसने बाइक को एक स्थान पर खड़ा कर दिया और काम में लग गया। कुछ देर बाद वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली।पीड़ित ने आसपास के क्षेत्र में बाइक की काफी तलाश की और लोगों से भी जानकारी की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पीड़ित कांधला थाने पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक बरामद कराने की गुहार लगाई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही बाइक की तलाश में जुटी है।

जिलाधिकारी ने ली जिला उद्योग मित्र समिति एवं जिला स्तरीय निर्यात समिति की बैठक

स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के विशेष प्रयास करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/गोविन्द मेहता

बागेश्वर। जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला उद्योग मित्र समिति एवं जिला स्तरीय निर्यात समिति की बैठक हुई। इसमें विभिन्न प्रकरणों के साथ ही पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे ने उत्तराखंड एकल खिड़की सुगमता एवं अनुज्ञापन नियमावली के तहत प्राप्त आवेदनों और सैद्धांतिक स्वीकृति से जुड़े प्रकरणों पर चर्चा की। विभिन्न विभागों में लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों से लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति और देरी के कारणों की जानकारी ली। बैठक में लघु एवं मध्यम उद्यम नीति के विभिन्न प्रावधानों पर भी विचार-विमर्श किया गया। डीएम ने अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र उद्यमियों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय निर्यात समिति की बैठक में जनपद के संभावित निर्यात उत्पादों और उनकी बाजार संभावनाओं पर विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने स्थानीय उत्पादकों, किसानों और उद्यमियों को बाजार से सीधे जोड़ने के लिए बायर्स-सेलर्स मीट करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, महाप्रबंधक उद्योग अमित सिंह रावत, कोषाधिकारी आकाश रघुवंशी, नरेंद्र खेतवाल, सुरेश खेतवाल, थ्रिश कपूर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और उद्यमी मौजूद रहे।

जिला पर्यटन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस

बागेश्वर। उद्योग मित्र समिति की बैठक में जिला पर्यटन विकास अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन जनपद के प्रमुख उद्योगों में शामिल है और इस महत्वपूर्ण बैठक में संबंधित अधिकारी की अनुपस्थिति गंभीर मामला है।

एचआरपी डे पर सैकड़ों गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच, दवाइयां भी बांटी गई

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी एचआरपी डे का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल पहुंची सैकड़ों गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच की गई। जांच के बाद जरूरत के अनुसार महिलाओं को दवाइयां भी वितरित की गईं।स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित एचआरपी डे में क्षेत्र की आशा कार्यकताओं ने गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और खानपान को लेकर भी आवश्यक जानकारी दी।लैब टेक्नीशियन सागर पोसवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक माह गर्भवती महिलाओं के लिए एचआरपी डे का आयोजन किया जाता है। इसमें गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच की जाती है, ताकि गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की जटिलता या जोखिम का समय रहते पता लगाया जा सके। जांच के बाद आवश्यकता के अनुसार महिलाओं को दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाती हैं।उन्होंने बताया कि क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर आती हैं और उनका नियमित चेकअप कराया जाता है। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना है।

2027 की जीत के लिए भाजपा ने कसी कमर, बूथ मजबूती और संगठनात्मक सत्यापन पर दिया जोर

महानगर कार्यालय में संगठनात्मक बैठक, दो दिवसीय अभियान में मंडल से बूथ स्तर तक होगा भौतिक सत्यापन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भाजपा महानगर कार्यालय गुलाबबाग में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों, 'राष्ट्रीय प्रवास' अभियान तथा बूथ स्तर तक संगठनात्मक सत्यापन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मंडल प्रभारियों और प्रवासियों को उनके दायित्वों एवं आगामी जिम्मेदारियों के प्रति सजग किया गया। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए कहा कि जन्माष्टमी के बाद उत्तर प्रदेश में 'राष्ट्रीय प्रवास' अभियान शुरू होगा। संगठन को जमीनी स्तर पर पूरी तरह मजबूत और सक्रिय करने के लिए मंडल प्रवासियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रवासियों को दो दिनों में तीन चरणों में संगठन का गहन सत्यापन करना होगा। पहले चरण में मंडल कार्यसमिति, दूसरे चरण में शक्ति केंद्र संयोजकों और तीसरे चरण में बूथ समितियों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। बैठक में कार्यकताओं से वर्ष 2017 से पहले और वर्तमान उत्तर प्रदेश की तुलनात्मक तस्वीर जनता के सामने रखने का आह्वान किया गया। स्मार्ट विद्यालयों के निर्माण, नए मेडिकल कॉलेजों, एयरपोर्ट के विस्तार तथा ह्यपीएम सूर्य घर योजनाह्ल सहित सरकार की विकास योजनाओं को सोशल मीडिया के साथ-साथ घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम को प्रदेश अध्यक्ष मनीष कपूर और निवर्तमान अध्यक्ष विद्या सागर राय ने भी संबोधित किया। संचालन राहुल सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन पूजा दीक्षित ने किया। इस अवसर पर चंद्रशेखर उपाध्याय, अजय गुप्ता, अशोक जाटव, प्रमील पाण्डेय, अखिलेंद्र सिंह सनी, अमित खरे, अशोक कुमार पाण्डेय, पंकज चतुर्वेदी, कुशाग्र श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, योगेश वर्मा, साधना वेदांती, कुसुम सिंह पटेल, अनुराग शर्मा, मनोज सोनकर, विवेक पाण्डेय और ऋतिक मिश्रा सहित पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छोटी काशी अनूपशहर से आगरा के लिए शुरू हुई रोडवेज बस सेवा, पालिकाध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

अनूपशहर/बुलंदशहर। छोटी काशी अनूपशहर से आगरा के लिए रोडवेज बस सेवा मंगलवार से शुरू हो गई। नगर के नए बस अड्डे से नगर पालिका अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस सेवा शुरू होने से अनूपशहर और आसपास के क्षेत्र के यात्रियों को अलीगढ़ और आगरा आने-जाने में सुविधा मिलेगी। रोडवेज बस प्रतिदिन सुबह 8 बजे अनूपशहर बस अड्डे से रवाना होकर अलीगढ़ होते हुए आगरा पहुंचेगी। वहीं दोपहर करीब 1 बजे आगरा से बस अनूपशहर के लिए रवाना होगी। बस सेवा प्रतिदिन संचालित की जाएगी।

नगर पालिका अध्यक्ष बृजेश गोयल ने अनूपशहर से आगरा के लिए बस सेवा शुरू कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा था। इसके बाद रोडवेज विभाग की ओर से बस सेवा शुरू की गई। बस के असिस्टेंट प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि बस प्रतिदिन निर्धारित समय पर संचालित होगी। इससे क्षेत्र के लोगों को आगरा और अलीगढ़ जाने के लिए बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। बस सेवा के शुभारंभ के अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बिरौली रामपाल सिंह खालोर, मनोज गोल्डी, सांसद प्रतिनिधि सीपीसी सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा मनीष गर्ग, बिट्टू चौधरी, सभासद अरशद गाजी, अभजल गाजी और जाहिद गाजी सहित नगर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शांति समिति की बैठक में छाया रहा अतिक्रमण, जाम का मुद्दा, शांति और सद्भाव बनाए रखने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/बुलंदशहर। शांति समिति की बैठक में रोड जाम और अतिक्रमण का मुद्दा छाया रहा। क्षेत्राधिकारी सदर प्रखर पांडे ने कस्बे में अमन-चैन और सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया। जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर मंगलवार की सायं थाना परिसर के सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी सदर प्रखर पांडे ने कहा कि इस कस्बे का भाईचारा बेमिसाल है इसे हमेशा बनाये रखें। उन्होने जन्माष्टमी पर्व पर निकाले जाने वाले जुलूस की बाबत जानकारी हासिल की और बैठक में मौजूद गणमान्य लोगों से समस्या पूछीं। बैठक में अतिक्रमण और सड़क पर लगने वाले जाम से छुटकारा पाने में व्यापारियों से सहयोग मांगा। बैठक में राजकीय कन्या इंटर कालेज, पवसरा रोड, जहांगीराबाद रोड आदि पर पुलिस गश्त बढ़ाने और बालिकाओं की सुरक्षा को मजबूत बनाने की मांग की गई। बैठक में बालका ग्राम प्रधान फरीदुजमा खान उर्फ चांद मियां ने गांव की गौशाला में असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझ कर बदहाली का प्रचार करने तथा जबरन गौशाला में पहुंच कर पशुओं को नुक्सान पहुंचाये जाने की समस्याओं से निजात दिलाने की मांग की। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। श्री पांडे ने लोगों से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों,जुआ सट्टा, अवैध कारोबार आदि की सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया। उन्होने सीसीटीवी कैमरे ज्यादा से ज्यादा लगवाए जाने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर शिवकुमार गुप्ता, नितिन सिंघल, प्रवेश लोधी, नवनीत गुप्ता, दिनेश कौशिक सभासद यामीन शाहजुद्दीन मेवाती उर्फ भूरा मेवाती, बसपा नगर अध्यक्ष अजीम शाहिद उपाध्यक्ष विजेंद्र गौतम, ग्यासुद्दीन प्रधान नौबत पुर बालका प्रधान फरीदुजमा खान उर्फ चांद मियां प्रधान बकौरा प्रेम राज सिंह, चामुंडा मंदिर कमेटी कोषाध्यक्ष जवाहर लाल सैनी, अध्यक्ष जसबंत सैनी कर्मवीर भड़ाना, थाना प्रभारी मनोज कुमार कस्बा चौकी इंचार्ज सौबरन सिंह वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

घनघोर बारिश में भी कृष्ण भक्ति की धूम, सरोजा पैलेस में सजा ब्रजधाम

कृष्णोत्सव महारास 2026 में ब्रज की छटा के साथ रथयात्रा, डांडिया, जल विहार, झूलनोत्सव और छप्पन भोग रहे आकर्षण का केंद्र

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन की ओर से वर्ष के प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक महोत्सव ह्यकृष्णोत्सव महारास 2026ह्ल का भव्य आयोजन रामकटोरा स्थित सरोजा पैलेस में धूमधाम से किया गया। वाराणसी में हुई मूसलाधार बारिश भी लड्डू गोपाल के भक्तों का उत्साह कम नहीं कर सकी। बारिश के बावजूद सरोजा पैलेस का पूरा प्रांगण श्रद्धालुओं और आयोजन में शामिल परिवारों से खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध ब्रज लोक कला फाउंडेशन, वृंदावन धाम (मथुरा) के दानी ग्रुप की ओर से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रभु की भव्य रथयात्रा, डांडिया, श्रीनाथजी के दिव्य दर्शन, जल विहार, झूलनोत्सव, होली की दिव्य झांकी, छप्पन भोग तथा लड्डू गोपाल की भोग-आरती श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण रहे। कृष्ण बाल स्वरूप फैंसी ड्रेस, आरती थाल सजाओ और लड्डू गोपाल श्रृंगार प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और भक्ति भाव का सुंदर प्रदर्शन किया। आयोजन में पुरुष गुलाबी धोती-दुपट्टे और कुर्ते में तथा महिलाएं पारंपरिक हरे और पीले परिधान एवं ओढ़नी में नजर आईं। इससे पूरे आयोजन परिसर में ब्रज की संस्कृति और परंपरा की मनोहारी झलक देखने को मिली। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्याम कुंज साड़ीज की ओर से बनारसी साड़ी और श्री इन्फोटेक की ओर से आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप मल्होत्रा, राकेश सिंह राजपूत, अभिषेक भट्टाचार्य, रुपेश माहेश्वरी, निशित गौड़, मनीष गर्ग, अंकित लिल्हा, सुगंधा वर्मा, रितु अग्रवाल, तान्या मेहरा यादव, आकांक्षा मिश्रा, ईशा चौरसिया यादव और सीए रश्मि केशरवानी ने किया। स्वागत कृष्ण मोहन अग्रवाल और अरविंद जैन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रमेश सेठ ने किया। इस अवसर पर नंदोत्सव की बधाइयां बांटी गईं। उपस्थित लोगों ने मक्खन-मिश्री के भोग प्रसाद का आनंद लिया। दीपों के साथ भव्य महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन की सफलता के लिए सहयोगी प्रायोजकों जेएसके डॉ. आशीष गुप्ता, जेएसके प्रिया आशीष जायसवाल, जेएसके संजय गुप्ता, जेएसके सीएन पाउल, जेएसके विवेक सिंह, जेएसके अभिषेक भट्टाचार्य, जेएसके तान्या मेहरा यादव और जेएसके ईशा चौरसिया यादव तथा ब्रांडिंग पार्टनर दैनिक भास्कर के प्रति आभार व्यक्त किया गया। मुख्य समिति में कृष्ण मोहन अग्रवाल, उषा अरविंद जैन, कंचन अभिषेक भट्टाचार्य, दिव्या राकेश अग्रवाल, ब्रजेश दास लोड, डॉ. ए.के. कौशिक, संतोष अग्रवाल और पूजा गौरव गुप्ता शामिल रहे।

कायस्थ महासभा ने आशुतोष सिन्हा को दिया समर्थन, रिकॉर्ड मतों से जिताने का संकल्प

क्षेत्रीय बैठक में आठ जिलों के पदाधिकारियों ने लिया हिस्सा, सदस्यता अभियान और संगठन को मजबूत करने पर भी बनी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश पूर्वी की क्षेत्रीय बैठक वाराणसी में आयोजित की गई। बैठक में बलिया, चंदौली, वाराणसी, सोनभद्र, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर और मिजार्पुर के जिलाध्यक्ष अपने प्रमुख पदाधिकारियों के साथ शामिल हुए। इसके अलावा प्रदेश पदाधिकारी और संबंधित जिलों से जुड़े राष्ट्रीय पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुमार श्रीवास्तव ने की। प्रदेश महामंत्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरूणी चन्द्र सिन्हा ने किया। वाराणसी जिलाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। बैठक में जिलों में सदस्यता अभियान तेज करने, वैवाहिक प्रकोष्ठ और युवा संभाग की गतिविधियों को क्षेत्रीय स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने तथा रचनात्मक कार्यों को गति देने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी स्नातक एमएलसी चुनाव में एडवोकेट आशुतोष सिन्हा को समर्थन देने और उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी कायस्थ समाज अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करेगा। बैठक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा संभाग के राष्ट्रीय संरक्षक एवं एमएलसी एडवोकेट आशुतोष सिन्हा ने कहा कि मैं आपके समाज का बेटा हूं। समाज के महापुरुषों के सम्मान और समाज के अधिकारों की लड़ाई राष्ट्रीय स्तर पर लड़ने का काम करूंगा। बैठक में सर्वसम्मति से आशुतोष सिन्हा को आगामी स्नातक एमएलसी चुनाव में समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर गाजीपुर के जिलाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, जौनपुर के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव, चंदौली के जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, मिजार्पुर के जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुशील, प्रदेश संरक्षक हरीश चंद्र, राष्ट्रीय संरक्षक प्रोफेसर दिवाकर लाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शक्ति, युवा अध्यक्ष शैलेश, प्रदेश महामंत्री ज्ञान प्रकाश अस्थाना, कमला पति त्रिपाठी इंटर कॉलेज के प्रबंधक एडवोकेट प्रमिल, भदोही से मनोज, अतुल श्रीवास्तव, ठेला पटरी व्यवसायी संघ के जिलाध्यक्ष आशीष निगम, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष एडवोकेट व्योमेश चित्रवंश, अरविंद सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी को लेकर अहार पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार देर शाम थाना अहार पुलिस ने गांव बामनपुर में फ्लैग मार्च निकाला। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज शर्मा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने गांव के प्रमुख मार्गों पर पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। फ्लैग मार्च मुख्य मार्ग से शुरू होकर गांव के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ शिव मंदिर गेट पर पहुंचकर संपन्न हुआ। पुलिस ने ग्रामीणों से जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। गांव बामनपुर में प्रत्येक वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष 3 सितंबर को जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज शर्मा ने कहा कि त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ समाजसेवी बलजीत लोधी, विक्रम सिंह, रौदास सिंह, बबलू राघव, राजकुमार लोधी आदि मौजूद रहे।

केएसजीएमसी में निकली जागरूकता रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (केएसजीएमसी) के नेत्र विभाग की ओर से 41वें नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के महत्व और इसकी सामाजिक उपयोगिता के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान मरीजों और तीमारदारों के लिए नेत्रदान जागरूकता वार्ता आयोजित की गई। इसमें नेत्रदान की प्रक्रिया, इसके महत्व तथा इससे जुड़े आम मिथकों और भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक तथ्यों के माध्यम से नेत्रदान से संबंधित गलत धारणाओं को दूर करने का प्रयास किया। इसी क्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल, बुलंदशहर में शिक्षकों एवं स्टाफ के लिए 'नेत्रदान का महत्व' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. गर्गी नागपाल ने नेत्रदान से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी देते हुए लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय, सफाईकर्मियों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 'नेत्रदान महादान' और 'मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में रोशनी लाएं' जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि नेत्रदान महान और पुनीत कार्य है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने निधन के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी ला सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में नेत्रदान को लेकर जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित करना जरूरी है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नेत्रदान के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना रहा।

एमएलसी चुनाव में सपा की जीत के लिए विष्णु शर्मा ने संभाली कमान

महानगर प्रभारी ने शुरू की चुनावी तैयारियां, आशुतोष सिन्हा ने विधानसभा अध्यक्षों के साथ की बैठक और दिए दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। आगामी वाराणसी स्नातक खंड विधान परिषद चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नवनियुक्त महानगर प्रभारी एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्यकताओं के साथ बैठकें कर चुनावी रणनीति तैयार कर रहे हैं। विष्णु शर्मा के सपा महानगर अध्यक्ष रहते हुए करीब चार वर्ष पूर्व शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संपन्न हुआ था। उस दौरान वाराणसी से समाजवादी पार्टी के दो प्रत्याशी विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुए थे। अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा विष्णु शर्मा को महानगर प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद वह लगातार संगठन को सक्रिय करने में जुटे हैं। इसी क्रम में सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने महानगर प्रभारी, सहप्रभारियों और सभी विधानसभा अध्यक्षों के साथ अलग-अलग बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की और कार्यकताओं से संवाद स्थापित किया। पहली बैठक जिला महासचिव एवं सहप्रभारी आनंद मौर्य के मडुवाडीह स्थित भारत नर्सरी में आयोजित हुई, जिसमें जिले की पांचों विधानसभा के अध्यक्ष शामिल हुए। इसके बाद शहर की तीनों विधानसभा के अध्यक्षों और सहप्रभारियों के साथ दूसरी बैठक पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी के नवापुरा स्थित आवास पर हुई। बैठक में आशुतोष सिन्हा ने सभी विधानसभा अध्यक्षों से चुनावी तैयारियों और अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने प्रत्येक विधानसभा में चुनाव संचालन समिति गठित करने के निर्देश दिए। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी की जीत जरूरी है। उन्होंने प्रभारी और विधानसभा अध्यक्षों से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर स्नातक मतदाताओं से घर-घर संपर्क करने तथा पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रथम वरीयता का मत दिलाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर नौ सितंबर को सभी विधानसभाओं में वार्ड अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा, पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी, महानगर प्रभारी विष्णु शर्मा ह्यविश्वकर्माह्ल, जिला महासचिव एवं सहप्रभारी आनंद मौर्य, सहप्रभारी अनवारुल हक अंसारी, दक्षिणी विधानसभा अध्यक्ष अजहर अली सिद्दीकी, उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष अजय चौधरी एडवोकेट, रिजवान अंसारी, वाभ अहमद सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में बना एम. यू. एन. विद्यार्थियों की प्रतिभा का आत्मविश्वास और नेतृत्व का मंच

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने दिखाई नेतृत्व क्षमता एवं वैश्विक दृष्टि

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में मॉडल यूनाइटेड नेशंस का भव्य एवं ज्ञानवर्धक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों की भूमिका निभाते हुए वैश्विक चुनौतियों, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, पर्यावरण संरक्षण, मानवाधिकार, शिक्षा, शांति एवं सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विद्यार्थियों ने तथ्यों, तर्कों एवं शोध के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा स्वस्थ संवाद एवं सकारात्मक बहस के माध्यम से समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श किया। एम. यू. एन.के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक वैश्विक परिस्थितियों को समझने तथा कूटनीतिक संवाद का अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन, शोध कौशल, संवाद -कौशल निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजू सिवाच ,अमित चौधरी और श्रीमती निधि मित्तल की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, प्रस्तुतीकरण क्षमता एवं समसामयिक विषयों पर उनकी समझ की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषयों पर जिस गंभीरता और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे गए, वह सराहनीय है।स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. सरिता सिंधु ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि एम. यू. एन. जैसे आयोजन विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने, तर्क करने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन की ओर से तुषार गुप्ता एवं डॉ. शिखा दरबारी ने भी विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं सक्रिय सहभागिता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे मंच प्रदान करना आवश्यक है, जहाँ वे अपने ज्ञान और विचारों को स्वतंत्र एवं रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले शिक्षकों को बधाई दी तथा भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक आयोजनों को प्रोत्साहित करने की बात कही।कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान/स्मृति-चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यार्थियों ने इस अवसर को अपने लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करने का संकल्प लिया। संवाद से समाधान की ओर बढ़ते कदम सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल का यह आयोजन विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर वैश्विक मुद्दों को समझने, तर्कपूर्ण विचार रखने और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर प्रदान करता है।विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

गांव रोरी में निशुल्क मेडिकल कैम्प लगाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव रोरी में निशुल्क मेडिकल कैम्प लगाया गया। कैम्प में मशीनों द्वारा ग्रामीणों की जांच कि गयी। बीमार व्यक्तियों को दवाईयां दी गई। डाक्टर रुचि अग्रवाल ने सभी को स्वास्थ्य रहने के सूत्र बताते। डाक्टर रुचि के सहयोगी दिनेश बेरवाल, रुकेश ने मरीजों को सही तरह से बीमारियों के लक्षण बताए व दवाओं की जानकारी दी। बाबा परमेन्द्र आर्य ने बताया गांव गांव निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन कैप्टन बलजीत सिंह दहिया (रिटायर्ड) के प्रयास से लगाया जाता है। कैप्टन साहब हरियाणा में काफी संख्या में मेडिकल लगवाते रहते हैं। मेडिकल कैम्प लगाने वाले डाक्टर रुचि अग्रवाल व उनके सहयोगी दिनेश बेरवाल व रुकेश व कैप्टन बलजीत सिंह दहिया को बाबा परमेन्द्र आर्य ने श्योराण खाप का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस कैम्प में पहलवान विपिन राठी, दादा राम नारायण, मनोज कुमार, आदि का सहयोग रहा।

व्यापारियों का प्रांतीय सम्मेलन 4 अक्टूबर को लखनऊ में आयोजन किया जाएगा-घनश्याम दास

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मोदीनगर रजिस्टर्ड की पदाधिकारियो की एक बैठक आयोजित हुई जिसमें प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समीक्षा दौरे पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास व प्रदेश महामंत्री तिलक राज अरोड़ा ने शिरकत की बैठक में सर्वप्रथम सभी व्यापारी बंधुओं ने प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश महामंत्री, मेरठ मंडल प्रभारी प्रदीप बोस, एडवोकेट अरुण राघव व अध्यक्ष मेहराम चंदेला का पटका व फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 4 अक्टूबर को लखनऊ में व्यापारियों का प्रांतीय सम्मेलन आयोजन किया जा रहा है। जिसमें व्यापारियों की समस्याओं और मांगों को सरकार के सामने रखा जाएगा। इसी कड़ी में ढाई महीने से प्रदेश में प्रत्येक जिले का व नगर का दौरा हो रहा है जहां-जहां हमारे संगठन है वहां के व्यापारियों से उनकी समस्या और उनकी मांगों को ध्यान में रखते हुए 4 अक्टूबर को लखनऊ में सरकार के समक्ष रखी जाएगी।

लखनऊ में कार्यक्रम में सरकार के प्रतिनिधित्व के तौर पर कैबिनेट स्तर के मंत्री भी मौजूद रहेंगे। संभावना है कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भी मौजूद रह सकते हैं मुख्य मांग में व्यापारिक बीमा 10 लाख की जगह 20 लाख हो, व्यापारियों का स्टॉक का बीमा हो, व्यापारियों का शस्त्र लाइसेंस की व्यवस्था आदि मांगों पर ज्ञापन सौंपा जायेगा।प्रदेश महामंत्री जी ने कहा कि हर महीने अधिकारियों के साथ जिले में होने बैठक में व्यापार संगठन भाग ले और अपनी शहर की समस्याओं को रखे। प्रदीप बोस ने ये आश्वस्त किया कि 4 अक्टूबर को होने वाले सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा व्यापारी भाग लेंगे और कार्यक्रम में आए हुए सभी व्यापारियों का उन्होंने धन्यवाद दिया इस कार्यक्रम में नगर महामंत्री हिमांशु सिंगल उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष राजेश चौधरी उपाध्यक्ष नीरज गर्ग डॉक्टर महेश वेद संदीप मित्तल नवीन अग्रवाल मुकेश चौहान विपिन चौधरी दीपक गुप्ता मंडी नितिन तायल नितिन चौधरी आदित्य गुप्ता अनुज महेश्वरी आदि मौजूद रहे।

आर्य समाज गोविन्दपुरी द्वारा वेद कथा का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आर्य समाज, गोविन्दपुरी में श्रावणी उपकर्म' के अवसर पर वेद कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के प्रथम सत्र में प्रातःकालीन यज्ञ स्वामी शुचिषद् मुनि जी के ब्रहमत्व में हुआ ।

तत्पश्चात बिजनौर से पधारे युवा भजनोपदेशक श्री मोहित शास्त्री के सुमधुर भजन हुए तथा स्वामी शुचिषद् मुनि जी के प्रवचन हुए। सायंकालीन सत्र में सर्वप्रथम श्री मोहित शास्त्री के परिवार तथा गृहस्थाश्रम के बारे में संगीत भजन हुए, तत्पश्चात स्वामी शुचिषद् मुनि जी ने भी इसी विषय पर बहुत ही सरल भाषा में चर्चा की, जिसे श्रोताओं ने बहुत सराहा । अन्त में में अर्थसमाज के मंत्री श्री विश्वबन्धु ने सभी आगन्तुकों का आभार प्रकट किया और बताया कि यह वेद कथा 03-9-2026 तक प्रतिदिन सायंकाल में होती रहेगी। इस अवसर पर डॉ.दिनेश कुमार मलिक प्रधान आर्यसमाज, गोविन्दपुरी, सुनील भाटिया, आनन्दव्यागी, फकीर चन्द त्यागी राजेश योगीराज, श्रीमति अलका, श्रीमति अनीता भाटिया' अजय गर्ग, दिव्य मलिक आदि का विशेष सहयोग रहा ।

वैश्य बंधुओ से 6 सितंबर को गाजियाबाद विशाल वैश्य शंखनाद कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तीनों वैश्य समाज की संस्थाओं की संयुक्त बैठक में वैश्य बंधुओं से 6 सितंबर को गाजियाबाद विशाल वैश्य शंखनाद कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया। गाजियाबाद घंटाघर के पास रामलीला ग्राउंड में आने वाली 6 सितंबर दिन रविवार को वैश्य महासम्मेलन होने जा रहा है जो विजय कुमार अग्रवाल राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की देखरेख में होगा उपरोक्त के संबंध में वैश्य समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्नू अग्रवाल वैश्य सभा मोदीनगर के अध्यक्ष डॉ पवन सिंघल तथा वैश्य समाज मोदीनगर के अध्यक्ष डॉक्टर बृजभूषण बंसल सहित सैकड़ों की संख्या में वैश्य बंधु उपस्थित थे ।सभी वैश्य बंधुओं से 6 सितंबर को गाजियाबाद विशाल वैश्य शंखनाद कार्यक्रम में गाजियाबाद पहुंचने का आह्वान किया गया। मीटिंग में मुख्य अतिथि विजय कुमार अग्रवाल अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिनेश सिंघल ने की। कार्यक्रम का संचालन मुन्नू अग्रवाल ने किया। मुख्य वक्ताओं में राम किशोर अग्रवाल डॉक्टर पवन सिंघल अजय गुप्ता महेश तायल डॉक्टर बृजभूषण बंसल डॉ मुकेश गर्ग पियूष गुप्ता सतीश चंद्र गुप्ता एडवोकेट डॉक्टर विनय मित्तल देवराज मित्तल संजय गुप्ता नीरज गुप्ता प्रमोद सिंहल डॉक्टर कैलाश चंद गुप्ता जितेंद्र अग्रवाल मदन गोपाल अश्विनी गुप्ता प्रमोद अग्रवाल अरविंद गर्ग ब्रजमोहन गर्ग नरेश दानी दीपक दारूका अरविंद अग्रवाल डॉ आसाराम गुप्ता विनोद गुप्ता राजेंद्र गोयल संजय सिंघल मनोज संघी अनिल गोयल सुदेश मित्तल सागर मित्तल रविंद्र अग्रवाल संदीप मित्तल आदि उपस्थित थे।

संजय त्यागी निवाड़ी को सहकारिता में सह विभाग प्रमुख मेरठ मंडल बनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सहकार भारती मेरठ विभाग का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग बी आई टी मेरठ मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 7 सत्रों मे प्रदेश व राष्ट्र के पदाधिकारी गणों ने सम्बोधित किया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रदीप शर्मा विभाग प्रमुख ने किया एवं आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। अभ्यास वर्ग के मुख्य अतिथि एवं अतिथि राजेंद्र भारत वासी संघ के प्रमुख अधिकारी व राजदत्त पाण्डेय राष्ट्रीय प्रमुख पैक्स प्रकोष्ठ व अरविन्द दुबे प्रदेश महामंत्री करमबीर सिंह प्रदेश संगठन प्रमुख सतीश कठेरिया प्रदेश मंत्री ओ पी शास्त्री प्रदेश मंत्री अभय चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय प्रदेश प्रमुख हिरेन्द्र सिंह प्रदेश सह प्रमुख ने सम्बोधित किया। उपस्थिति रामनरेश तोमर प्रदेश सह प्रमुख अमित रंजन प्रदेश सह प्रमुख राजीव सोम सह प्रमुख रामबीर प्रदेश प्रमुख श्रीमती शारदा सिंह प्रदेश सह महिला प्रमुख एवं 7 जिलो के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। समापन सत्र का संचालन अरविन्द शर्मा सह विभाग प्रमुख ने किया प्रदेश महामंत्री अरविन्द दुबे ने संजय त्यागी निवाड़ी को सहकारिता मे सह विभाग प्रमुख मेरठ मंडल बनाया घोषणा की।

आरकेजीआईटी में 'मशीन लर्निंग इन एक्शन' पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , गाजियाबाद के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा युक्ति सॉफ्टवेयर्स के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत 'मशीन लर्निंग इन एक्शनः डेटा मॉडल प्रेडिक्शन' विषय पर एक विशेष तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाओं के साथ-साथ इसके व्यावहारिक उपयोग एवं वास्तविक जीवन में इसकी भूमिका से परिचित कराना रहा। कार्यशाला का आयोजन 31 अगस्त 2026 को किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सीएसई तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को डेटा तैयार करने, मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने तथा उससे प्रेडिक्शन प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया गया।

कार्यशाला में युक्ति सॉफ्टवेयर्स, ग्रेटर नोएडा के विशेषज्ञ मिथिलेश कुमार एवं श्रीमती मनीषा कुमारी ने अतिथि वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। दोनों विशेषज्ञों ने अपने तकनीकी एवं शिक्षण अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए मशीन लर्निंग और आधुनिक तकनीकी क्षेत्र की संभावनाओं से अवगत कराया।

कार्यशाला में वास्तविक जीवन की समस्याओं में मशीन लर्निंग के उपयोग, डेटा की भूमिका तथा डेटा मॉडल प्रेडिक्शन कार्यप्रवाह पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी अवधारणाओं को समझने का अवसर मिला, जिससे उनमें मशीन लर्निंग के प्रति रुचि और तकनीकी कौशल को बढ़ावा मिला। इस संपूर्ण आयोजन का मार्गदर्शन डॉ. अमित सिंघल (विभागाध्यक्ष, सीएसई विभाग) द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर की भूमिका डॉ. विनीत श्रीवास्तव ने निभाई।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आर. के. यादव एवं डॉ. रामेंद्र सिंह ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दीं।

कन्नौजा हत्याकांड में तीन वांछित आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कसा शिकंजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कन्नौजा में ह्यभाईह्न शब्द का इस्तेमाल न करने को लेकर हुए विवाद और खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 अगस्त की शाम रिंकू उर्फ रिशांत शर्मा का गांव के ही सोनू उर्फ कार्तिक शर्मा से विवाद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई और बीच-बचाव करने पहुंचे परिवारजनों पर तलवार से हमला किया गया। घटना में कई लोग घायल हुए थे, जबकि गंभीर रूप से घायल देवेन्द्र शर्मा को मोदीनगर स्थित जीवन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में मुरादनगर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

31 अगस्त को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गंगनहर पटरी से वांछित आरोपी सोनू उर्फ कार्तिक शर्मा, सोएब और प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घरेलू विवाद में साले ने बहनोई को मारी गोली, पैर में लगी गोली; आरोपी भाइयों की तलाश में पुलिस

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के इलायचीपुर रोड पर मंगलवार को घरेलू विवाद के चलते फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। फायरिंग में दिल्ली निवासी तरुण के पैर में गोली लग गई। सूचना मिलते ही ट्रोनिका सिटी पुलिस और पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गोली चलाने वाले आकाश और विकास नाम के दो सगे भाई हैं। घायल तरुण और दोनों आरोपी आपस में साले-बहनोई बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बहन के साथ कथित घरेलू उत्पीड़न को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इसी विवाद के दौरान फायरिंग की घटना हुई। घायल तरुण को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। परिजनों से तहरीर प्राप्त कर पुलिस सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित कर रवाना कर दी गई हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गिन्नी देवी मोदी कॉलेज में पोषण सप्ताह के उपलक्ष में किया गया संगोष्ठी का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज मोदीनगर के गृह विज्ञान विभाग में पोषण सप्ताह के उपलक्ष में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्या डॉक्टर नूतन सिंह ने कहा कि छात्राओं को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और उचित पोषण के महत्व के विषय में जानकारी होना अति आवश्यक है।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर मीनू अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 48 छात्राओं ने सहभागिता की, और अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला, दैनिक आहार में आवश्यक पोषक तत्वों की भूमिका तथा स्वस्थ खान -पान की आदतों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया गया। संगोष्ठी में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की। छात्राओं ने विषय से संबंधित प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया, तथा पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़े अपने विचार भी साझा किये। कार्यक्रम की सफलता पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर नूतन सिंह ने बधाई दी। सभी छात्राओं को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर राखी मित्तल, डॉक्टर चेतना, डॉ शिखा त्यागी, डॉक्टर ईशा सचदेवा, डॉक्टर राखी शर्मा, मिस आशी का सहयोग रहा।

जिलाधिकारी ने साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र का किया स्थलीय निरीक्षण

उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने आज साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों के संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं एवं उद्यमियों की समस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के उद्यमियों द्वारा जिलाधिकारी को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया तथा उनके शीघ्र समाधान का अनुरोध किया गया।

उद्यमियों द्वारा बृज विहार पुलिया के निमार्णाधीन कार्य, औद्योगिक क्षेत्र में अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण, अतिक्रमण हटाए जाने के बाद पुनः अवैध कब्जा किए जाने, सड़कों के पुनर्निर्माण एवं क्षतिग्रस्त सड़कों के रखरखाव, गैस एजेंसी के समीप अवैध रूप से निर्मित दुकान तथा नगर निगम के कूड़ा स्थल से संबंधित समस्याएं जिलाधिकारी के संज्ञान में लाई गईं।

बृज विहार पुलिया का कार्य 15 दिन में पूर्ण करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने बृज विहार पुलिया के निमार्णाधीन कार्य के संबंध में संबंधित अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। संबंधित अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पुलिया का शेष कार्य 15 दिन के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी क्रम में औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों की स्थिति एवं रखरखाव के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई। जिन सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाना आवश्यक है, उनके संबंध में संबंधित उच्चाधिकारी से वार्ता करते हुए शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए।

अवैध कब्जे एवं अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

जिलाधिकारी ने क्षेत्र में अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम, पुलिस विभाग एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम को निर्देशित किया कि क्षेत्र में किए जा रहे अवैध कब्जों एवं अतिक्रमण के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी स्थान से अतिक्रमण हटाए जाने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा पुनः अवैध कब्जा किया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा कब्जा होने की स्थिति में संबंधित क्षेत्र के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। यदु गैस एजेंसी के समीप अवैध रूप से निर्मित दुकान के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नगर निगम के कूड़ा स्थल के संबंध में भी जिलाधिकारी ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि इस विषय में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी।

जिलाधिकारी के निरीक्षण से उद्यमियों में दिखा उत्साह

जिलाधिकारी द्वारा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किए जाने से क्षेत्र के उद्यमियों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहा। उद्यमियों ने जिलाधिकारी द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए जाने की सराहना की। उद्यमियों ने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किए जाने से उन्हें विश्वास है कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण होगा। उन्होंने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्रवाई किए जाने से औद्योगिक क्षेत्र में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित होंगी।

गोवंश संरक्षण को लेकर सख्त निर्देश, सड़क पर नहीं दिखेगा निराश्रित गोवंश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दुर्गावती देवी सभागार में मंगलवार को गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गो संरक्षण समिति की बैठक हुई। सदस्य दीपक गोयल व मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में गो आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं और गोवंश संरक्षण योजनाओं की समीक्षा की गई।

उपाध्यक्ष ने आश्रय स्थलों पर हरा चारा, भूसा, दाना, स्वच्छ पानी, साफ-सफाई और चिकित्सा सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता के लिए स्थानीय किसानों से अनुबंध करने तथा सहभागिता योजना के तहत पात्र पशुपालकों को गोवंश सौंपने पर जोर दिया गया।

नए गो आश्रय स्थलों के निर्माण में तेजी, परिसर में पौधरोपण और पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। हाईवे व प्रमुख मार्गों पर घूमने वाले गोवंश को रेडियम पट्टी पहनाने और घायल पशुओं को तत्काल आश्रय स्थल पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा गया। बैठक से पहले तीन गो आश्रय स्थलों का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया।

2027 के चुनावी रण से पहले भाजपा ने मजबूत किया बूथ नेटवर्क, 2023 समितियों का होगा सत्यापन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा गाजियाबाद महानगर ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की अध्यक्षता में मंडल कार्यसमिति सत्यापन बैठक आयोजित हुई। जिला प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह ने कहा कि बूथ और मंडल समितियों का सत्यापन संगठन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम है। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने बताया कि महानगर के 20 मंडलों और 2023 बूथों पर समितियों का सत्यापन किया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक मंडल में एक संयोजक व दो सहसंयोजक नियुक्त किए गए हैं। महानगर उपाध्यक्ष अमित रंजन को अभियान का महानगर संयोजक बनाया गया है। पूर्व महानगर अध्यक्ष अशोक मोगा ने कार्यकताओं से अभियान को पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम की जनसुनवाई में उमड़ा फरियादियों का हुजूम

कागजी नहीं, धरातल पर हो समाधानः डीएम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं। भूमि कब्जा, राजस्व विवाद, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति और विद्युत बिल से जुड़ी शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई में शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण नहीं, बल्कि पीड़ित की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान होना चाहिए। निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई में एक कैंसर पीड़ित व्यक्ति ने 20 साल पुराने विद्युत बिल के निस्तारण की गुहार लगाई। डीएम ने मुख्य अभियंता विद्युत को मानवीय आधार पर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। वहीं, मोदीनगर के वृद्ध ने 10 वर्षों से जमीन पर कब्जे की शिकायत की, जिस पर एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एक महिला ने पुत्र-पुत्रवधू पर मारपीट व घर से निकालने की धमकी का आरोप लगाया, जिस पर डीएम ने न्याय दिलाने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा में ट्रैफिक के 'सिपाही' बने TVF स्वयंसेवक, 25 को सम्मान

216 स्वयंसेवकों ने संभाली यातायात व्यवस्था, उत्कृष्ट योगदान पर मिला प्रशस्ति पत्र

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ट्रैफिक वॉलंटियर फोर्स (TVF) के 25 उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परमजीत हॉल में यातायात पुलिस ने सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने की। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम व द्वितीय तथा यातायात निरीक्षक मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था के लिए TVF के 216 स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई थी। स्वयंसेवकों ने भीषण गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों में दिन-रात ड्यूटी निभाते हुए पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यातायात संचालन में सहयोग किया। उत्कृष्ट अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना के आधार पर 25 स्वयंसेवकों का चयन किया गया। अधिकारियों ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और सामाजिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

4 सितंबर को जयंती योग समेत कई शुभ योगों में मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमीः आचार्य दीपक तेजस्वी

जन्माष्टमी पर जयंती योग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होने की मान्यता

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आचार्य दीपक तेजस्वी ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को पूरे विश्व में श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस बार का जन्माष्टमी पर्व बहुत खास होने वाला है क्योंकि 4 सितंबर को ऐसे शुभ योग बन रहे हैं, जिनमें भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना करने से जहां कई जन्मों के पापों का अंत होगा, वहीं सुख-समृद्धि व ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। आचार्य दीपक तेजस्वी ने बताया कि जन्माष्टमी

का पर्व भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के प्राकट्य का उत्सव है। इस साल शुक्रवार 4 सितंबर को जन्माष्टमी पर्व पर रात 11 बजकर 5 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र समाप्त होगा। यानि जन्माष्टमी रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि के संयोग में मनाई जाएगी। अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के मिलने से पर्व पर अति शुभकारी जयंती योग बन रहा है। यह योग बहुत ही फलदायी माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जयंती योग में जन्माष्टमी पर्व मनाना और व्रत रखना पूर्व जन्मों का पुण्यफल है और जन्म-जन्मांतर के पापों का भी इसमें नाश हो जाता है और हर प्रकार के सुख की प्राप्ति होती है। जन्माष्टमी पर्व पर बन रहे सर्वार्थ सिद्धि योग से सभी कार्यो में सफलता प्रापत होती है तो वहीं हर्षण योग जीवन में प्रसन्नता, आनंद और उत्साह का संचार करता है। आचार्य दीपक तेजस्वी ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व पर माल्वय योग भी बन रहा है, जो सभी प्रकार के भौतिक सुख, वाहन, आभूषण और अपार ऐश्वर्य की प्राप्ति कराता है। बुधादित्य राजयोग का संयोग भी बनेगा, जिसमें प्रशासनिक क्षमता, उच्च पद, नेतृत्व गुण और करियर में सफलता मिलती है। समाज में यश, धन और मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है।

न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय डिलिबरेशन का आयोजन किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रताप विहार स्थित न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय डिलिबरेशन का आयोजन किया गया। डिलिबरेशन में विभिन्न स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

कम्प्यूटेशनल थिंकिंग तथा अर्टिफिशिल इन्टेलीजैंसह्र पर आधारित कार्यक्रम का उदघाटन शभू दयाल ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल ज्योत्सना शर्मा, रेडिकॉन स्कूल की प्रिंसिपल सुमन सिंह व मेजबान स्कूल की प्रिंसिपल प्रधानाचार्या रूचि गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के षिक्षक-शिक्षिकाओ ने अपने-अपने विचारो, अनुभवों एवम्‍ प्रभावी शिक्षण पद्धतियो का प्रस्तुतीकरण किया। प्रिंसिपल रूचि गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षक-शिक्षिकाओ को अपने अनुभव, नवाचार, श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियो को साझा करने का मंच प्रदान करते है जिससे शिक्षा का प्रचार-प्रसार भी होता है।

मेवाड़ में गीता के ज्ञान से मिली जीवन की नई राह

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सभागार में मंगलवार को लिविंग द गीता मूवमेंट विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षण स्टाफ को श्रीमद्भगवद्गीता की मूल शिक्षाओं से परिचित कराते हुए वर्तमान जीवन में उनकी उपयोगिता और व्यावहारिक महत्व पर चर्चा की गई। आध्यात्मिक वक्ता सद्गुरु साक्षी श्री ने विद्यार्थियों को गीता के संदेशों को दैनिक जीवन में उतारने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने सद्गुरु साक्षी श्री का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में आध्यात्मिक ज्ञान और जीवन–मूल्यों को लेकर विशेष उत्सुकता दिखाई दी। सद्गुरु साक्षी श्री ने अपनी पुस्तक 'लाइफ–चेंजिंग महा मंत्राज–द आर्ट ऑफ लिविंग द गीता के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों को सरल तरीके से विद्यार्थियों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर ढंग से समझने और चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देने वाला मार्गदर्शक ग्रंथ है।

मासूम को इंसाफ दिलाने पर नोएडा पुलिस का सम्मान, मुस्लिम समाज ने जताया आभार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के हल्द्वानी में छह वर्षीय मासूम बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी बलराज के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की मुस्लिम समाज के लोगों ने सराहना की।

इस दौरान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, डीसीपी सेंट्रल नोएडा और एडीसीपी स्वतंत्र सिंह को सम्मानित

कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आभार व्यक्त किया गया। मामला 28 अगस्त का है, जब छह वर्षीय बच्ची लापता हो गई थी। पुलिस जांच में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी बलराज की पहचान हुई। पूछताछ में आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद चाकू से हत्या कर शव को बोरे में डालकर जंगल में फेंकने की बात स्वीकार की। पुलिस आरोपी को घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कराने ले जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

जवाबी कार्रवाई में आरोपी गोली लगने से घायल हुआ और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी हत्या व दुष्कर्म के कई मुकदमे दर्ज थे।